RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ● 06 फरवरी , 2025 वर्षः-12 अंक-279 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ और घुसपैठियों में झड़प

बंगाल के दिनाजपुर में हुए हमले में एक जवान घायल

कोलकाता/दिसपुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स पर की सीमा पार से आने वाले घुसपैठियों ने झड़प हुई। सुरक्षाबलों ने घुसपैठ को नाकाम किया। हालांकि झड़प के दौरान एक जवान घायल हुआ। एक घुसपैठिया भी गिरफ्तार किया गया है। घटना दक्षिण दिनाजपुर जिले में बॉर्डर से लगे मलिकपुर

गांव में 4-5 जनवरी की रात में हुई। डकैती और स्मगलिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले गैंग के कई लोग बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। रात में पेट्रोलिंग कर रहे बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ कर रहे बदमाशों को खदेड़ा था। इसी दौरान उन लोगों ने जवानों पर हमला कर दिया। बीएसएफ ने भी जवाबी कार्रवाई की। बदमाशों में टीम की गाड़ी भी छीनने की कोशिश की। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियारों से टीम पर हमला किया। सुरक्षाबलों ने बदमाशों पर गोला-बारूद दागा और गोलियां चलाईं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में लगी आग

महाकुंभ में हुए हादसे में 2 टेंट जलकर खाक

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में आग लग गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सेक्टर 12 में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में सुबह 7 बजे यह हादसा हुआ। हादसे में दो टेंट जल गए। हालांकि किसी भी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शिविर के पश्चिमी हिस्से में आग लगने की घटना हुई। इसमें 2 टेंट राख हो गए। उसी समय पूर्वी हिस्से में साधु कुटिया से भी धुआं निकलता नजर आया। घटना के वक्त वहां एक महिला मौजूद थी। उसको सुरक्षित

बाहर निकाल लिया गया। घटना में कई सामान जलकर राख हो गए। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। अभी तक जो सूचना मिली है, उसके अनुसार इलेक्ट्रिक केतली में शॉर्ट सर्किट की वजह से हादसा हुआ है। प्रशासनिक लोग मौके पर पहुंच गए थे। दूसरी तरफ शंकराचार्य शिविर से जुड़े हुए लोगों ने साजिश की आशंका जताई है। अव्यवस्था को लेकर सरकार पर हमलावर रहने वाले अविमुक्तेश्वरानंद के अनुयायियों के अनुसार अचानक से आग लग गई।

महाकुंभ के 25वें दिन पीएम मोदी की संगम में डुबकी

- सीएम योगी के साथ संगम नोज पहुंचे, भगवा रंग के वस्त्र पहने
- मंत्रोच्चार के बीच किया स्नान, कहा-पुण्य स्नान से धन्य हुआ

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने भगवा रंग के वस्त्र पहन रखे थे। हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने अकेले ही संगम में डुबकी लगाई। स्नान के बाद पीएम ने सूर्य को अर्घ्य दिया। करीब 5 मिनट तक मंत्र का जाप करते हुए सूर्य पूजा की। संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया, साड़ी चढ़ाई। संगम स्नान के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- महाकुंभ में आज पवित्र संगम में डुबकी लगाकर मैं भी करोड़ों लोगों की तरह धन्य हुआ। मां गंगा सभी को असीम शांति, बुद्धि, सौहार्द्र और अच्छा स्वास्थ्य दें। मोदी गंगा पूजन के बाद सीधे बोट से अरैल घाट पहुंचे। वहां से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मोदी के संगम स्नान के दौरान सीएम योगी भी साथ रहे। महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, इसलिए पीएम ने कार्यक्रम बेहद सीमित रखा।

करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से पूछताछ करने जेल पहुंची ईडी

3 अफसर कर रहे सवाल-जवाब, इनकम सोर्स, सोना लदी कार और प्रॉपर्टी पर इन्क्वॉयरी

भोपाल। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भोपाल केंद्रीय जेल पहुंची है। जेल में तीन अफसरों की टीम सुबह करीब 11 बजे से सौरभ से सवाल-जवाब कर रही है। उसके इनकम सोर्स, इनोवा कार में मिले 52 किलो गोल्ड और 11 करोड़ रुपए कैश के साथ प्रॉपर्टी की जानकारी ली जा रही है। इसी जेल में सौरभ के सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल भी हैं। हालांकि, इन दोनों से आज कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे लोकायुक्त कोर्ट में पेश किया गया था। यहां करीब एक घंटे चली सुनवाई के बाद जज आरपी मिश्रा ने तीनों आरोपियों को 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जेल में तीनों आरोपियों को ब खंड के अलग-अलग बैरक में रखा गया है। इस मामले में पूर्व सीएम उमा भारती ने असल आरोपियों को पकड़कर सजा दिलाने की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक, आज सिर्फ सौरभ से पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : अबकी बार जमकर वोटिंग, 57.89 फीसदी हुआ मतदान, चुनाव परिणाम 8 फरवरी को

दिल्ली। देश की राजधानी की 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को मतदान हुआ. अरविंद केजरीवाल के राजनीति में आने के बाद से दिल्ली विधानसभा के लिए चौथा विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुका है। मतदान खत्म होने के बाद अब एग्जिट पोल सामने आने लगे हैं. एग्जिट पोल में दिल्ली में बड़ा बदलाव होते दिख रहा है. जाने-माने एग्जिट पोल एजेंसियों में लगभग सभी ने दिल्ली में बीजेपी के लिए 27 वर्षों का इंतजार खत्म होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, कुछ एजेंसियों ने आम आदमी पार्टी (आप) की बहुमत वाली सरकार की हैटट्रिक लगाने के संकेत भी दिए हैं।

70 सीटों पर हुई वोटिंग

बता दें कि राजधानी की सभी 70 सीटों पर 699 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. वोटिंग खत्म होने के साथ ही कैंडिडेट्स की

किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है. अब इंतजार है 8 फरवरी का. दिल्ली विधानसभा के नतीजे इसी दिन आएंगे. दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और आतिशी मुख्यमंत्री हैं. आप ने लगातार 2013, 2015, 2020 में जीत हासिल की और अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बने. हालांकि, शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल फंस गए और उन्हें मार्च 2024 में जेल जाना पड़ा. सितंबर में जब वो जमानत पर बाहर आए तो उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया और पार्टी ने आतिशी को नया सीएम बनाया. आप के लिए यह चुनाव काफी मायने रखता है. जबकि बीजेपी और कांग्रेस भी मैदान में हैं और वापसी के लिए जोर लगा रहे हैं. बीजेपी ने दिल्ली में 1993 में जीत हासिल की थी, उसके बाद कभी जीत नसीब नहीं हुई. वहीं, कांग्रेस ने 1998, 2003, 2008 में लगातार जीत हासिल की और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री रहीं. इस बार चुनाव में आप को बीजेपी-कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिल रही है. दिल्ली में लगभग 1.56 करोड़ वोटर्स हैं.

दिल्ली की किन सीटों पर सबकी नजर?

दिल्ली चुनाव में कई सीटें ऐसी हैं, जिनके नतीजे पर हर किसी की नजर है. अरविंद केजरीवाल, आतिशी, प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी और कैलाश गहलोत जैसे प्रमुख नेता दौड़ में हैं. नई दिल्ली सीट सबसे हाई-प्रोफाइल है. यहां आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, बीजेपी के प्रवेश वर्मा और कांग्रेस की दिग्गज नेता शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित के बीच मुकाबला है. पटपड़गंज सीट पर आप से अवध ओझा, बीजेपी से रविंदर सिंह नेगी और कांग्रेस से अनिल चौधरी के बीच टक्कर है. उत्तर पश्चिमी इलाके की रोहिणी सीट पर आप से प्रदीप और बीजेपी से विजेंद्र गुप्ता के बीच मुकाबला हो रहा है. कालकाजी सीट पर दिल्ली की वर्तमान सीएम आतिशी, बीजेपी से पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी और कांग्रेस से अलका लांबा के बीच त्रिकोणीय संघर्ष देखने को मिल रहा है. जंगपुरा सीट से आप से मनीष सिसोदिया, बीजेपी से सरदार तरविंदर सिंह मारवाह और कांग्रेस से फरहाद सूरी मैदान में हैं.

बिहार वाली नहीं, तेलंगाना वाली जाति जनगणना करवाएंगे

- राहुल गांधी ने पटना में इतिहास पर उठाया सवाल, कहा-दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन

पटना (एजेंसी)। 19 दिन में दूसरी बार बुधवार को पटना पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार की जातीय गणना पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, हम बिहार वाली जातीय गणना नहीं करवाएंगे। अगर देखना है तो तेलंगाना वाली जाति जनगणना देखिए। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में 15 मिनट के भाषण में कांग्रेस नेता ने दलितों को हक दिलाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हमने इतिहास की किताब में दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन पढ़ी हैं। दलित और अछूत। उन्होंने मोदी सरकार पर दलितों, पिछड़ों और अतिपिछड़ों की हकमारी करने का आरोप लगाया। बोले, संस्थानों में हक दिलाने का पहला कदम जाति जनगणना है। इसको हम कराएंगे। इससे पहले 18 जनवरी को बिहार दौरे पर आए राहुल गांधी ने बिहार की जाति जनगणना (सर्वे) को फर्जी करार दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा- हमने इतिहास की किताब में दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन पढ़ी हैं। दलित और अछूत। आपका कोई इतिहास नहीं है क्या। दो लाइन से आपका दर्द मिट जाएगा क्या। राहुल गांधी ने कहानी सुनाई। अमेरिका में परीक्षा होती थी। गोरे लोगों का परफॉर्मेंस बेहतर होता था।

मुश्किल में बाबा रामदेव जारी हुए नॉन बेलेबल वारंट

केरल की एक अदालत ने जारी किया है गैर जमानती वारंट

पलक्कड (एजेंसी)। योग गुरु बाबा रामदेव की मुश्किल कम होती नजर नहीं आती है। केरल में पलक्कड़ की एक अदालत ने योग गुरु बाबा रामदेव के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। पलक्कड़ के न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बाबा रामदेव, उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद की मार्केटिंग कंपनी दिव्य फार्मेसी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। ये मामला भ्रामक विज्ञापनों से जुड़ा है, जो अक्टूबर 2024 में दर्ज किया गया था। पलक्कड के इसी कोर्ट ने बाबा रामदेव के खिलाफ वारंट बीते 16 जनवरी को जमानती वारंट जारी किया था। इस मामले में अगली तारीख 1 फरवरी, 2025 लगाई गई थी। लेकिन वह अदालत में हाजिर नहीं हुए। इसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है।

महानिर्वाणी और निरंजनी में नई सरकार बनाने की कवायद

- अष्टकौशल में शामिल होने वाले श्री महंतों के नाम पर मंथन

प्रयागराज (एजेंसी)। वसंत पंचमी पर आखिरी अमृत स्नान के बाद अब महानिर्वाणी और निरंजनी अखाड़े में नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। 7 फरवरी को दोनों अखाड़ों में अष्टकौशल होगा। इसके लिए अखाड़ों में श्री महंत के नाम तय हो रहे हैं। 7 फरवरी को अष्टकौशल के चुनाव के साथ ही कढ़ी-पकौड़ी का भोज करके अखाड़े काशी के लिए रवाना होंगे। अखाड़ों के पास पूरे देश में मठ-मंदिर समेत करोड़ों की जमीन है। इनकी देखभाल के लिए 8 श्री महंतों के समूह अष्टकौशल होते हैं। इनका कार्यकाल 6 साल रहता है। महाकुंभ शुरू होने के साथ ही अष्टकौशल भंग हो गया। अब नए सिरे से इनका चुनाव कराया जाएगा। 7 फरवरी को अखाड़े काशी रवाना होंगे। 7 फरवरी को अष्टकौशल के नामों का ऐलान होगा।

- इनमें पंजाब के 30, हरियाणा-गुजरात के 33-33 लोग
- अमरीकी एयरफोर्स का विमान इन्हें लेकर अमृतसर पहुंचा

अमेरिका ने 104 भारतीयों को जबरन भारत भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सी-147 प्लेन से अवैध प्रवासी भारतीयों का पहला जत्था भारत पहुंचा। इस प्लेन में 104 भारतीय सवार हैं। अमेरिका से निर्वासित भारतीय अप्रवासियों को लेकर एक सैन्य विमान बुधवार दोपहर अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विमान में निर्वासित व्यक्तियों में 25 महिलाएं, 12 नाबालिग और 79 पुरुष शामिल हैं। निर्वासित भारतीय नागरिकों के अलावा, विमान में 11 चालक दल के सदस्य और 45 अमेरिकी अधिकारी सवार हैं। पंजाब के साथ ही निर्वासित लोग हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से हैं। निर्वासित लोगों में 33 गुजरात के हैं, 30 पंजाब के हैं जबकि दो-दो निर्वासित उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ से हैं और तीन महाराष्ट्र से हैं। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका से डिपोर्ट कर लाए गए भारतीयों को मेक्सिको-अमेरिकी सीमा से पकड़ा गया था। कहा जा रहा है कि ये भारत से वैध तरीके से रवाना हुए थे लेकिन इन्होंने डंकी रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश की थी। पंजाब पुलिस ने एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी है। पंजाब सरकार ने कथित तौर पर लोगों को उनके राज्य में वापस उनके घर पहुंचाने के लिए मिनी बसों का इंतजाम किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बैठक में यह फैसला लिया गया कि निर्वासितों की सहायता के लिए एयरपोर्ट पर काउंटर लगाए जाएंगे। राज्य पुलिस लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है और निर्वासितों के पिछले आपराधिक रिकॉर्ड को मौके

पर ही खंगालेगी। मुख्यमंत्री मान ने उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन दिया। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब से निर्वासित 30 लोगों में से अधिकतर गुरदासपुर, अमृतसर और तरनतारन सहित माझा क्षेत्र से हैं, जबकि अन्य जालंधर, नवांशहर, पटियाला, मोहाली और संगरूर से हैं। पंजाब के एसोसिएशन ऑफ कंसल्टेंट्स फॉर ओवरसीज स्टडीज के कार्यकारी सदस्य नितिन चावला ने कहा, पहले कनाडा ने भारतीयों को निर्वासित किया था और अब अमेरिका ऐसा कर रहा है और उन्होंने 20,000 से ज़्यादा लोगों की सूची बताई है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम उनका घर वापसी पर स्वागत कर रहे हैं लेकिन यह आत्म-निरीक्षण का विषय है। जो लोग वापस आ रहे हैं, उनसे उन लोगों के बारे में पूछा जाना चाहिए।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 06 फरवरी , 2025

एमपी के पेंच में जुटेंगे 25 राज्यों के चुनाव आयुक्त, इलेक्शन की चुनौतियों और उपायों पर करेंगे मंथन

राज्य चुनाव आयुक्तों का 31वां वार्षिक सम्मेलन 1 से 4 मार्च तक मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के पेंच कस्बे में आयोजित किया जाएगा. एक शीर्ष चुनाव अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को यह जानकारी दी. मध्य प्रदेश के राज्य चुनाव आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने एक बयान में कहा कि इस कार्यक्रम में लगभग 25 राज्यों के चुनाव निकाय प्रमुख भाग लेंगे. चार दिवसीय सम्मेलन के दौरान, प्रतिभागी स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे. श्रीवास्तव ने बताया कि वे नवाचारों और सुधारों, विशेष रूप से स्थानीय निकाय चुनावों में नई तकनीकों के उपयोग के बारे में लोगों को जागरूक करने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे. बता दें कि राज्य चुनाव आयोग यानी एसईसी एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है. एसईसी स्थानीय स्वशासन यानी पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों के संचालन के लिए जिम्मेदार है.

टीआई लाइन अटैच : जुआ फड़ों पर कार्रवाई न करने पर एसपी ने लिया एक्शन

शिवपुरी। जिले के कोलारस थाना प्रभारी को संदिग्ध भूमिका के चलते लाइन अटैच कर दिया गया है। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र में लगातार संचालित हो रहे जुआ फड़ों पर प्रभावी कार्रवाई न करने के कारण की गई है।कोलारस एसडीओपी विजय सिंह यादव की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि थाना क्षेत्र में लंबे समय से जुआ फड़ संचालित हो रहे थे, लेकिन थाना प्रभारी द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। 1 फरवरी को जुआ फड़ की सूचना पर एसपी के निर्देश से थाना तेन्दुआ पुलिस ने कार्रवाई कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 10 कार, 11 बाइक और 17 हजार कैश जब्त किए गए।एसडीओपी की रिपोर्ट के आधार पर एसपी राठौड़ ने थाना प्रभारी के लापरवाह रवैये को पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही और संदिग्ध आचरण मानते हुए उन्हें पुलिस लाइन अटैच करने के आदेश जारी किए।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

विदिशा। विदिशा में आज सुबह दर्दनाक हादसा सामने आया है। जहां पटरी पार करते समय एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना लगते ही जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे। और शव कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू की।सुबह 9ः00 बजे के आसपास की घटना बताई जा रही है। जहां रेलवे पटरी पार करते समय एक युवक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया। मृतक के पास कोई दस्तावेज नहीं मिले हैं।फिलहाल जीआरपी ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है। जहां शव को मर्चुरी में रखा जाएगा। पुलिस मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी है। जीआरपी अधिकारी सुनील चौहान ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष के आसपास है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

टीचर के घर ईओडब्ल्यू का छापा : आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर हुई कार्रवाई

शिवपुरी। जिले में ईओडब्ल्यू की टीम ने एक सरकारी शिक्षक के घर छापामार कार्रवाई की है। जब शिक्षक और उसका परिवार सुबह आराम से सो रहा था, इसी दौरान ईओडब्लू की टीम ने घर में दबिश दी। भौंती के केडर गांव में कार्यरत शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई।जानकारी के मुताबिक, ईओडब्लू की टीम ने सुबह 6 बजे टीचर के घर दबिश दी। शिक्षक के घर में टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। हालांकि छापा को लेकर ईओडब्ल्यू की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। टीम के द्वारा टीचर के बैंक खातों, संपत्ति के दस्तावेज और अन्य वित्तिय लेन-देन के कागजातों की जांच की जा रही है।जानकारी के मुताबिक शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया भिंड जिले के रहने वाले हैं। सालों पहले वह भौंती में आकर बस गए थे। सुरेश वर्ग तीन के शासकीय शिक्षक है, जो कैडर गांव के प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ हैं।

क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

भोपाल। मध्य प्रदेश में फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की। स्क्ब्ढ़ क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने के नाम पर फर्जी कॉल सेंटर संचालित करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को क्राइम ब्रांच भोपाल की सायबर टीम ने दिल्ली से गिरफ्तार किया। यह गिरोह नई दिल्ली में फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। आरोपी अब तक देशभर के अलग-अलग राज्यों के लोगों को टारगेट कर चुके हैं। कॉलिंग करने वालों में तीन लड़कियां और एक लड़का शामिल है, जो फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते हैं और लोगों को आसानी से झांसे में ले लेते हैं। भोपाल साइबर टीम को जब इस गिरोह की जानकारी मिली तो जांच के आधार पर पुलिस ने दिल्ली में दबिश दी गई। छापेमारी के दौरान कॉलिंग का काम करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 9 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं, जो ठगी में इस्तेमाल किए जाते थे,क्राइम ब्रांच ने बताया कि, आरोपी स्क्ब्ढ़ क्रेडिट कार्ड के अधिकृत अधिकारी और कर्मचारी बनकर कॉल करते थे। जिसके बाद कार्ड अपग्रेड कर लिमिट बढाने का झांसा देकर ओटीपी प्राप्त कर सायबर ठगी करते थे। फिलहाल पकड़े गए आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

क्या पूरा पैसा लाड़ली बहनों को दे रहे थे, उमंग सिंघार ने सरकार पर साधा निशाना

भोपाल। मध्य प्रदेश में टॉपर्स बच्चों को एक तरफ जहां मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ई-स्कूटी की चाबी सौंपी, तो वहीं दूसरी तरफ इसे लेकर सियासत भी गरमाई हुई है। कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार को देर आए दुरुस्त आए कह सकते हैं। सिंघार ने कहा कि सरकार कुंभकर्ण की नींद सो रही थी जिसे विपक्ष ने जगाने का काम किया है। उन्होंने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि क्या पूरा पैसा लाड़ली बहनों को दिया जा रहा था ? मेधावी विद्यार्थियों के लिए सरकार क्या कर रही थी? उन्होंने कहा कि लैपटॉप वितरण की बात सरकार नहीं कर रही है। किसान संघ के प्रदर्शन पर उमंग सिंघार ने कहा कि एक साल से आपकी सरकार है। एक साल से क्या कर रहे थे, यह आरएसएस का संगठन है। यह भाजपा के पर्चे बांटने वाले लोग हैं।

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों से 12वीं में टॉप करने वाले 7,800 छात्रों को मिली स्कूटी, मुख्यमंत्री ने बच्चों से की बात

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को राजधानी भोपाल में सरकारी स्कूलों में टॉप करने 12वीं के विद्यार्थियों को स्कूटी की चाबियां सौंपी। इसके बाद सरकारी स्कूलों के 7,800 प्रतिभाशाली छात्रों को मुफ्त स्कूटी के लिए प्रतीकात्मक रूप से प्रमाण पत्र दिए गए। इस दौरान सीएम ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों से बात भी की। मंच पर पहुचे 12 बच्चों से सीएम ने पूछा कि भविष्य में आप लोग क्या बनना चाहते हो। सीएम ने बताया कि किसी बच्चे ने कहा कि उसे आईएएस बनना है, तो किसी ने कहा कि वो इसरो में वैज्ञानिक बनेगा। किसी ने डाक्टर तो किसी ने पुलिस विभाग में जाने के बारे में बताया। लेकिन किसी ने नेता और उद्योगपति बनने की बात नहीं कही. मैं सोच रहा था कोई तो बोले कि मैं नेता बनूंगा लेकिन किसी ने नेता बनने की रुचि नहीं दिखाई।

बेहतर शिक्षा दे रहे मध्यप्रदेश के स्कूल

कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आज मिलने वाली स्कूटी बच्चों को अपने शैक्षणिक जीवन की उपलब्धियों को और बेहतर स्वरूप देने का काम करेगी। संसाधनों और समय के अभाव की कमी के चलते अब परेशानी से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक तरफ वे स्कूल हैं, जो लाखों रुपए की फीस लेते हैं और दूसरी ओर वे स्कूल हैं, जो वोकेशनल ट्रेनिंग, कैरियर गाइडेंस, स्मार्ट क्लास समेत अन्य सुविधाएं देते हैं। इन स्कूलों के छात्रों का भविष्य बेहतर रहे, इसकी वे अपेक्षा करते हैं।

ई स्कूटी के लिए 1.10 लाख और स्कूटी के लिए 90 हजार रुपए

बुधवार को प्रदेश के 7800 प्रतिभावान बच्चों को स्कूटी का प्रतीकात्मक वितरण किया गया है। इनमें बच्चे अपनी इच्छानुसार ई-स्कूटी या पेट्रोल स्कूटी का चयन कर सकते हैं।

सरकार ई-स्कूटी खरीदने वाले बच्चों को 1.10 लाख रुपये और स्कूटी खरीदने वाले बच्चों को 90 हजार रुपये देगी. विभाग के अधिकारियों ने बताया कि साल 2.23-24 के टापर विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण में करीब 80 करोड़ रुपये खर्च होंगे. अधिकारियों ने बताया कि साल 2022-23 में 2760 बच्चों को ई-स्कूटी और 5018 बच्चों को स्कूटी प्रदान की गई थी. जिसमें करीब 40.40 करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

भोपाल केंद्रीय जेल पहुंची प्रवर्तन निदेशालय की टीम

भोपाल। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम बुधवार को पूर्व आरटीओ कांस्टेबल सौरभ शर्मा से पूछताछ करने के लिए भोपाल के केंद्रीय जेल पहुंची। ईडी के तीन अधिकारी सौरभ शर्मा से बंद कमरे में घंटों से पूछताछ कर रहे है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि पूछताछ के के बाद कुछ बड़ा सच सामने आ सकता है। यह पूछताछ 19 दिसंबर को एक कार में मिले 52 किलो सोना और करोड़ों रुपए नकदी के मामले को लेकर हो रही है।मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उनके साथियों को लोकायुक्त ने इस मामले में पहले गिरफ्तार किया था। पूछताछ और मेडिकल जांच के बाद मंगलवार को तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। लोकायुक्त ने कहा कि उनकी पूछताछ पूरी हो चुकी है, लेकिन जरूरत पड़ने पर वे दोबारा पूछताछ करेंगे।ईडी ने कोर्ट में सौरभ शर्मा से पूछताछ की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने लंच के बाद सुनवाई करते हुए ईडी को जेल में पूछताछ करने की इजाजत दे दी। ईडी अधिकारियों के अनुसार, यह जांच मामले को एक नए मोड़ पर ले जा सकती है।भोपाल में 19 दिसंबर को एक लावारिस गाड़ी से भारी मात्रा में सोना और नकदी बरामद होने से हड़कंप मच गया था। मेंडोरी गांव के जंगल में कुछ स्थानीय निवासियों ने पुलिस को एक लावारिस क्रिस्टा गाड़ी के बारे में जानकारी दी। गाड़ी में 6 से 7 बैग रखे हुए थे, जिन्हें खोलने पर आयकर विभाग (ढ्ढञ्ज) को सूचना दी गई। ढ्ढञ्ज टीम ने कार्रवाई करते हुए गाड़ी का कांच तोड़ा और बैगों को बाहर निकाला। इन बैगों में 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नकद मिले थे। 27 दिसंबर को ईडी ने सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल, रोहित तिवारी के ठिकानों पर छापे मारे थे। सौरभ के परिजन और दोस्तों के खातों में 4 करोड़ रुपए का बैंक बैलेंस मिला। इसके अलावा 23 करोड़ की संपत्ति भी जांच के दायरे में ईडी ने ली थी।

पन्ना : जेके सीमेंट प्लांट हादसे में एफआईआर, प्रोजेक्ट हेड, सिविल इंजीनियर और सेफ्टी इंचार्ज को भेजा जेल

पन्ना। जिले में स्थित जेके सीमेंट प्लांट की निर्माणाधीन दूसरी यूनिट में बीती 30 दिसंबर को हुए भीषण हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई थी और 1 दर्जन से अधिक घायल हो गए थे। जांच के बाद पुलिस ने मामले में मंगलवार शाम को मुंबई की ठेका कंपनी स्वास्तिक के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। जहां गिरफ्तार अधिकारियों में प्रोजेक्ट हेड सोनू कुमार पांडेय (ओडिशा), सिविल इंजीनियर ललित कुमार सिंह (बिहार), और सेफ्टी इंचार्ज शिवम कुमार पांडेय (बिहार) शामिल हैं। इन पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया था और अब गिरफ्तार कर तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

जांच में लापरवाही का खुलासा

मामले में की गई जांच में पाया गया कि उक्त निर्माणाधीन यूनिट की स्लैब डालते समय भार के आकलन में गंभीर लापरवाही बरती गई। जहां सागर कमिश्नर और डीआईजी के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम में अपर कलेक्टर पन्ना, एडिशनल एसपी पन्ना, मुख्य अभियंता क्क्ङ्ख्रष्ठ सागर, औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा इंदौर के प्रभारी संचालक सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। हालांकि 145 मीटर ऊंची बिल्डिंग की सातवीं मंजिल तक जांच टीम अभी नहीं पहुंच पाई है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और आगे और भी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। वहीं इस हादसे में अब तक मारे गए मजदूरों में अंसार आलम (34 वर्ष), मसूद (36 वर्ष), मुश्फिक (पूर्णिया, बिहार), और रोहित खरे (32 वर्ष, सिमरिया, पन्ना) शामिल हैं। वहीं घायलों में मिठू साहू, शाहनवाज खान, बहू नामदेव, मोहम्मद तौकीर, शाह आलम, कंछेदी कुशवाहा, साहिल रजा, इंद्रपाल सिंह, नुरसद आलम, शेख सकूर, तहमीद मोहम्मद, और प्रेमचंद्र राजभर शामिल हैं। आरोप हैं कि जेके सीमेंट प्लांट की पहली यूनिट में पहले भी हादसे हो चुके हैं। यह वर्ष 2022 के अंत में शुरू हुई थी। इसके बाद से ही फैक्ट्री के अंदर कई हादसे हो चुके हैं जिनमें से कई तो दबा दिए गए और कुछ ही निकलकर सामने आए हैं।

यह है पूरा मामला- जानकारी के मुताबिक पन्ना में 30 दिसंबर की सुबह 9ः30 बजे निर्माणाधीन बिल्डिंग की सातवीं मंजिल से मलबा गिरने से भीषण घटना घटी। इस घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि छत पर ढलाई का काम चल रहा था और अचानक शटरिंग गिरने लगी, जिससे छत पर काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। वहीं प्लांट की दूसरी यूनिट के निर्माण के दौरान सुबह करीब 10 बजे छत की स्लैब का बड़ा हिस्सा शटरिंग सहित टूटकर गिर गया। राहत और बचाव कार्य के लिए पन्ना समेत कटनी, दमोह और छतरपुर से एसडीआरएफ की टीमों को बुलाया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मलबे से घायलों और मृतकों को निकाला गया।

स्मार्ट सिटी मिशन :7 शहरों का हो रहा समग्र विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विजन के अनुरूप प्रदेश के शहरों में विकसित हो रहा बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर भविष्य की नगरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा, इससे न केवल बढ़ती शहरी आबादी को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी, साथ ही शहर समृद्ध और विकसित होंगे, विकास के इस विजन को साकार करने के लिए प्रदेश के 7 शहरों में स्मार्ट-सिटी मिशन चलाया जा रहा है,सीएम ने कहा कि भोपाल और इंदौर का मेट्रोपोलिटिन के रूप में विकास हो रहा है, भोपाल के आसपास के क्षेत्र को सम्मिलित कर राज्य राजधानी क्षेत्र के रूप में विकास की रणनीति का क्रियान्वयन किया जा रहा है. स्मार्ट-सिटी परियोजना में शामिल प्रदेश के 7 शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सतना, सागर और उज्जैन में पिछले एक वर्ष में 1253 करोड़ 65 लाख रुपये के 81 कार्य पूर्ण हो चुके हैं,वर्तमान में इन शहरों में 828 करोड़ रुपए के 43 कार्य प्रगति पर है, ये शहर महत्वपूर्ण अधोसंरचनाओं, प्रभावी सार्वजनिक सेवाओं और सतत् शहरी योजना से लैस आधुनिक शहरी केंद्र बनने के लिए महत्वपूर्ण विकास के दौर से गुजर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट-सिटी मिशन-2.0 के अंतर्गत उज्जैन और जबलपुर के लिए 370 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जो इन शहरों की अवसंरचना को आधुनिक बनाने में मदद करेगा इस मिशन का उद्देश्य ऐसे शहरों का निर्माण करना है, जो विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान कर सकें और नवाचार और आर्थिक गतिविधि के केंद्र बन सकें, जिससे राज्य के समग्र विकास में योगदान हो।

चाकू मारकर साले को उतारा मौत के घाट, सास-ससुर पर भी किया हमला

अशोकनगर। चंदेरी स्थित मायके में रह रही गर्भवती पत्नी की हत्या करने की योजना बनाकर जब पति पहुंचा तो उसे पत्नी नहीं मिली। जिससे गुस्साए पति ने ससुराल में खूनी खेल कर दिया। पत्नी को ढूंढने के दौरान उसके रास्ते में जो भी आया, उसपर चाकू से हमला किया। जिससे बारह वर्षीय एक बालक की मौत हो गई। वहीं युवक की बुआ सास और चाचा ससुर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना चंदेरी के वार्ड क्रमांक एक की है। घटना के बाद ससुराल पक्ष ने युवक को भी जमकर पीटा, जिससे उसे भी गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवाया और गंभीर घायलों को उचित उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया है। आरोपी युवक पर हत्या सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। घटना के बाद चंदेरी शहर में सनसनी फैल गई है। यहां के निवासी राकेश रैकवार की बेटी सोनम की ससुराल बहादुरपुर थाना क्षेत्र के इकोदिया गांव में है। पति आनंद रैकवार आदतन शराबी है। जो सोनम के साथ अक्सर मारपीट करता है। पति की मारपीट से बचने के लिए सोनम पिता के घर रह रही थी। उसे आठवें माह का गर्भ है। मंगलवार रात आनंद ससुराल में पहुंचा था। मोहल्ले वालों के अनुसार वह शराब के नशे में था, ससुराल पहुंचकर उसने पत्नी के बारे में पूछा। पत्नी डर के मारे छुप गई, जब सामने आई तो आनंद ने उससे विवाद करने लगा। झगड़ा बढ़ा तो सोनम की मां प्रभा ने पास में रहने वाली सोनम की बुआ कलावती को बुला लिया। बहस तेज हुई तो आनंद ने जेब से एक धारदार चाकू निकालकर कलावती पर एक के बाद एक चार पांच हमले कर दिए। मौके पर चीख पुकार मच गई, मम्मी पर हमले की बात सुनकर पहुंचे कलावती के बारह वर्षीय बेटे अरविंद को आनंद ने सीने में चाकू मारा, जिससे वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। इसी दौरान मौके पर पहुंचे सोनम के भाई रामस्वरूप को भी आनंद ने एक के बाद एक कई चाकू मारे। इतने में बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग जमा हो गए, जिन्होंने आक्रोश में आकर आनंद की पिटाई लगा दी। घटना की सूचना पुलिस को मिली, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्त में लिया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद मौके पर मातम छा गया। घटना चंदेरी में सनसनी की वजह बनी हुई है। मृतक अरविंद का पोस्टमार्टम चंदेरी के सिविल अस्पताल में हुआ है, वहीं घायल कलावती, रामस्वरूप और आरोपी आनंद का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहां तीनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। तनाव की स्थिति होने के कारण जिला अस्पताल में पुलिस बल भी तैनात है। उधर, एसडीओपी चंदेरी शैलेन्द्र शर्मा ने मौके का जायजा लिया है।

जाको राखे साईंया, मार सके न कोय

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आनंद पहले ही ससुराल आकर सोनम से मारपीट कर चुका था। इस बार वह सोनम की हत्या के इरादे से ही आया था। इसलिए पहले से चाकू साथ लाया। सोनम के पेट में आठवें माह का गर्भ है। आनंद ने सोनम की बुआ के पेट ही पेट में चाकू से वार किए हैं। यदि यह हमला सोनम पर हुआ होता तो उसके बच्चे सहित उसकी जान चली जाती किंतु इस दुनिया में जिसको आना है, उसे आने से कोई नहीं रोक सकता। चंदेरी में इस तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

महज डेढ़ वर्ष पहले हुआ था प्रेम विवाह

परिजनों ने बताया है कि आनंद और सोनम ने प्रेम विवाह किया था। विवाह को महज डेढ़ वर्ष का समय हुआ है। सोनम पति की मारपीट से तंग आकर मायके में पिछले तीन माह से रह रही थी। माता पिता का सोचना था कि प्रसव के समय उसकी देखभाल यहां अच्छे से हो जायेगी। किंतु इससे पहले ही आनंद ने रिश्तों का कत्ल कर दिया।

चंदेरी थाना प्रभारी मनीष जादौन की दरियादिली इस घटना में सामने आई है। बताया गया है कि जब घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया तो मौके पर एम्बुलेंस नहीं मिली तो थाना प्रभारी ने उनकी निजी कार से सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा। घटना के बाद भी पुलिस मौके पर रात एक बजे तक मौजूद रही। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है वारदात महज पंद्रह मिनट में घटित हो गई।

संकल्प अभियान में देश के नौ जिलों में शामिल खरगोन करेगा प्रदेश को लीड

खरगोन। मध्यप्रदेश के निमाड़ में अपनी कड़क कलेक्टरी से पहचान बनाने वालीं, खरगोन जिले की नवागत कलेक्टर भाव्या मित्तल ने बुधवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। कलेक्टर मित्तल के साथ अस्पताल स्टाफ और संकल्प अभियान की टीम ने डायलिसिस, ओपीडी, मेटरनिटी वार्ड का दौरा किया जहां उन्होंने शिशु मृत्यु दर कम करने को लेकर चल रहे संकल्प अभियान के तहत, अस्पताल में जुटाई जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही जिला कलेक्टर ने अस्पताल के नए निर्माण कार्यों को मार्च तक पूरा करने और सफाई व्यवस्था सुधारने को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। बता दें कि, मध्य प्रदेश में नवजात शिशु मृत्यु दर 30 के करीब होकर काफी अधिक है। इसको लेकर भारत सरकार का संकल्प है कि इसे अगले 6 सालों में 2030 तक सिंगल इकाई अर्थात 9 अंक से कम में ले जाना है। इसके लिए संकल्प अभियान बनाया गया है। इसमें, 30 से 9 तक जाने के लिए क्या और कैसे करना है यह देखा जा रहा है। इसके लिए देशभर के 9 प्रदेशों के 10 जिलों में से मध्य प्रदेश के खरगोन जिले का भी चयन हुआ है और अब खरगोन जिले से इस प्रोजेक्ट में जो सीखने को मिलेगा, उसे प्रदेश के साथ ही देश के दूसरे जिलों में लागू किया जाएगा।

भविष्य में खरगोन जिला करेगा पूरे प्रदेश को लीड

इधर दिल्ली स्थित एम्स हॉस्पिटल से आए पीडियाट्रिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. रमेश अग्रवाल ने बताया कि संकल्प अभियान के तहत हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि जिला अस्पताल में जो प्रेग्नेंसी लेकर महिला आती है, उसकी डिलीवरी को कैसे सुरक्षित और सावधानी पूर्वक करवाया जाए। साथ ही नवजात शिशु केयर यूनिट में जो बच्चे भर्ती होते हैं, उनकी कैसे सावधानी रखी जाए, जिससे मृत्यु दर कम हो। इसको लेकर खरगोन जिले का सारा स्टाफ बहुत ही तत्पर है। यह चीज हम सभी में आशा और विश्वास बढ़ाती है कि हम इस लक्ष्य को पूरा कर पाएंगे। भविष्य में खरगोन जिला पूरे प्रदेश को लीड करेगा कि कैसे नवजात शिशु की मृत्यु दर कम की जा सकती है। कलेक्टर के निरीक्षण को लेकर सिविल सर्जन ने बताया कि संकल्प अभियान सरकार का बहुत ही महत्वपूर्ण अभियान है, जिसको लेकर कलेक्टर मैडम भी बहुत ही उत्साहित हैं। इस अभियान में खरगोन भी एक महत्वपूर्ण जिला है। इसकी विभिन्नताओं को देखते हुए इसका चयन हुआ है। यहां पहाड़ी क्षेत्र के साथ ही समतल क्षेत्र भी हैं और आदिवासी बसाहट के साथ ही सामान्य बसाहट भी है। यहां के कुछ क्षेत्रों से लोग पलायन भी करते हैं, तो कुछ क्षेत्रों में स्थाई निवास भी है। इन्ही विभिन्नताओं के कारण खरगोन जिले का चयन हुआ है। इसको लेकर हमारी नई कलेक्टर भी रुचि ले रही हैं, जिससे हम इस अभियान में और भी अच्छी तरह से कम कर पाएंगे।

महाशिवरात्रि: कुबेरेश्वर धाम पर होने वाली शिव महापुराण कथा में पहुंचेंगे लाखों भक्त, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सीहोर। आगामी 25 फरवरी से कुबेरेश्वर धाम में महाशिवरात्रि पर्व पर शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस कथा के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर बालागुरु के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन ने कथा स्थल के आसपास के स्थानों तथा मार्गों का निरीक्षण किया। अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय से पहले निश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर बालागुरु के. ने व्यवस्था के लिए पर्याप्त अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए उन्हें समय पूर्व अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को भली-भांति समझने के निर्देश दिए। कलेक्टर बालागुरु के. ने कथा के दौरान बेहतर इंतजाम करने एवं लोगों की सुरक्षा के साथ ही नेशनल हाईवे पर आवागमन सुगम बनाए रखने के लिए मार्ग परिवर्तित करने तथा वैकल्पिक मार्ग के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कथा के दौरान पेयजल, बिजली, साफ-सफाई, अस्थाई शौचालय, पार्किंग, हेल्थ कैम्प, आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, कन्ट्रोल रूम, सहायता केंद्र, मार्ग मरम्मत सहित अन्य व्यवस्थाएं सुचारु रूप से बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडिशनल एसपी गीतेश गर्ग, एसडीएम तन्मय वर्मा, सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पर्याप्त पेयजल, सुरक्षित बिजली व्यवस्था एवं स्वच्छता की रहेगी व्यवस्था

कलेक्टर बालागुरु के. ने कुबेरेश्वर धाम परिसर तथा आसपास यह निश्चित करने के निर्देश दिए कि विद्युत लाइन, केबल तथा पोल कहीं से क्षतिग्रस्त न हों तथा विद्युत विभाग की टीम को एक्टिव मोड पर रखा जाए। उन्होंने संपूर्ण कार्यक्रम स्थल पर बिजली के कनेक्शन अलग, सुरक्षित तथा नो मेन जोन की व्यवस्था के साथ ही विद्युत कर्मचारियों की 24 घंटे शिफ्टवार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। आयोजन स्थल तथा आसपास भीड़ अत्याधिक होने पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए अस्थाई चलित शौचालयों की व्यवस्था तथा आयोजन स्थल पर पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मियों ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्थाई शौचालयों एवं कचरा ढ़ोने वाले वाहनों की पर्याप्त संख्या में व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल की व्यवस्था के लिए पीएचई, जनपद पंचायत तथा नगर पालिका को समन्वय स्थापित कर आयोजन स्थल पर पर्याप्त संख्या में प्याउ टोंटी युक्त नल कनेक्शन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

कंट्रोल रूम स्थापित होगा सीसीटीवी कैमरे लगेंगे

कलेक्टर बालागुरु के. ने आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की अत्यंत भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए शहर के मुख्य स्थल जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य पहुंच मार्गों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आयोजन स्थल एवं आसपास कंट्रोल रूम स्थापित करने एवं सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि हाईवे पर यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए डाइवर्जन रूट पर बैरिकेड्स लगाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्याप्त संख्या में डायवर्जन के लिए फ्लेक्स लगाएं तथा एक अनाउंसमेंट डेस्क स्थापित कर कर्मचारियों को 24 घंटे शिफ्टवार ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बड़े वाहनों का कुबेरेश्वर धाम के पांच किलोमीटर दायरे के पहले ही प्रतिबंधित कर मार्ग डायवर्ट किया जाए तथा आयोजन स्थल के पास खाली खेतों के पार्किंग की व्यवस्था की जाए।

मिनी आईसीयू एवं एंबुलेंस उपलब्ध होगी

कलेक्टर बालागुरु के. ने आयोजन स्थल पर पर्याप्त चिकित्सा एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमएचओ को चिकित्सा व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन स्थल पर एम्बुलेस मय स्टाफ के साथ जीवनरक्षक एवं आवश्यक दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कथा स्थल पर मिनि आईसीयू स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आवश्यक पड़ने पर मरीजों को त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

पुलिसकर्मी की बाइक चोरी, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। छोटी ग्वालटोली पुलिस ने वाहन चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। चोरी हुई बाइक किसी आम नागरिक की नहीं, बल्कि एक पुलिसकर्मी की थी। पुलिस ने इस मामले में 150 से ज्यादा ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालने के बाद शातिर चोर रवि वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।छत्रीपूरा से एक पुलिसकर्मी की बाइक चोरी हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज की जांच शुरू की। करीब 150 कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालने के बाद आरोपी की पहचान हुई। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने 38 वर्षीय रवि वर्मा को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने शहर के अन्य इलाकों से भी 4 और मोटरसाइकिलें चोरी करने की बात कबूल की। वह यशवंत प्लाजा की पार्किंग में बाइक छिपाकर बेचने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने इससे पहले ही उसे पकड़ लिया।पुलिस के मुताबिक आरोपी शराब पीने का आदी है। शराब पीने के बाद किसी भी बाइक में चाबी लगता है और उसे लेकर चले जाता है। जब पेट्रोल खत्म हो जाता है तो उसे बाइक को वहीं छोड़ देता था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 5 चोरी की बाइक बरामद कर ली है। जिनकी कुल कीमत करीब 2.50 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

संयोगितागंज थाने में जब्त 177 वाहनों की नीलामी 28 फरवरी को

इंदौर। पुलिस एक्ट में जब्त कुल 173 दो पहिया एवं 4 चारपहिया वाहन थाना परिसर संयोगितागंज इन्दौर में जिस हालत में रखे हैं वह 28 फरवरी को प्रातः 11 बजे थाना संयोगितागंज इन्दौर में खुली नीलामी के माध्यम से विक्रय किये जायेंगे। वाहनों की सूची एवं नीलामी की शर्तें आवेदन फार्म के साथ प्रदाय की जायेगी। आवेदन फार्म संबंधित थाने से प्राप्त किये जा सकेंगे। पुलिस उपायुक्त/कार्यपालिक मजिस्ट्रेट जोन क्रमांक 03 नगरीय इंदौर ने बताया कि वाहन क्रय करने के इच्छुक व्यक्ति फार्म 100 रुपए की राशि का पोस्टल आर्डर, जो पुलिस उपायुक्त इन्दौर जोन-3 के नाम से देय होगा, थाना संयोगितागंज इन्दौर में जमा कर नीलामी हेतु निर्धारित आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते है। पूर्ण भरे हुए आवेदन फार्म प्रतिभूति राशि के डिमांड ड्राफ्ट सहित थाना संयोगितागंज में 27 फरवरी की शाम 5 बजे तक जमा किये जा सकेंगे।

पीथमपुर टास्क फोर्स का होगा गठन, सभी विभाग के अधिकारी रहेंगे शामिल

इंदौर। पीथमपुर में पिछले दिनों यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को जलाने का विरोध कई सामाजिक संगठन ने किया था इसके बाद सरकार ने हाईकोर्ट से 6 सप्ताह का समय मांगा गया था. वहीं लगातार जनसंवाद कार्यक्रम के जरिए लोगों को समझाया जा रहा है. बुधवार को तारपुरा गांव के आंगनबाड़ी भवन में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में कलेक्टर प्रियंक मिश्र और एमपी मनोज कुमार सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी. साथ ही पीथमपुर टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जिसमें सभी शासकीय विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे. कलेक्टर ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है. उन्होंने यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया. कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि विशेषज्ञों की निगरानी में सभी सावधानियां बरतते हुए 12 कंटेनरों में रखे कचरे का निपटान किया जाएगा. प्रदूषण विभाग सहित कई सरकारी एजेंसियां इस प्रक्रिया की निगरानी करेंगी. उन्होंने बताया कि यह कार्य उच्च न्यायालय के निर्देशों पर किया जा रहा है. जनसंवाद में स्थानीय पार्षद ने सड़क, सामुदायिक भवन, राशन दुकान और नाली की समस्याओं के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र में ठेकेदारी प्रथा में मजदूरों के शोषण का मुद्दा भी उठाया. एसपी मनोज कुमार सिंह ने कानून व्यवस्था पर चर्चा करते हुए कहा कि समस्याओं का समाधान बातचीत से निकाला जा सकता है, पथराव या तोड़फोड़ से नहीं.

विद्यार्थियों की बनेगी अपार आईडी, कार्य में गति लाने के दिए गए निर्देश

इंदौर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अभियान की संयुक्त समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी डीपीसी विजय कुमार मण्डलोई, जिला शिक्षा अधिकारी, एडीपीसी, समस्त एपीसी, सहायक यंत्री, समस्त बीईओ एवं समस्त बीआरसीसी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में बताया गया कि प्रत्येक विद्यार्थी की अपार आईडी बनाई जाना है। यह कार्य अभियान चलाकर किया जाए। जिले में अभी अपार आईडी बनाने की अत्यधिक धीमी प्रगति पर चिन्ता व्यक्त की गई। अशासकीय शालाओं के संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिवों को 07 दिवस में अपार आईडी में अपेक्षित प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त विभागीय योजनाओं में जिले के प्रभारियों एवं विकासखण्ड के बीईओ एवं बीआरसीसी को निर्देशित कर समय-सीमा में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा गणवेश, सायकल तथा पाठ्य पुस्तक वितरण, नामांकन, नवभारत साक्षरता, अशासकीय शालाओं की मान्यता एवं परीक्षा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला स्तर पर कमेठी गठित कर विकासखण्ड के 10-10 शालाओं एवं छात्रावासों में औचक निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक एवं भौतिक गतिविधियों की समीक्षा की जाए। नवभारत साक्षरता में फरवरी माह में 11 ग्राम पूर्ण साक्षर एवं सितम्बर माह तक 51 ग्राम पूर्ण साक्षर बनाने पर कार्य योजना तैयार की जाए। संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी डीपीसी विजय कुमार मण्डलोई के द्वारा समस्त बीआरसीसी एवं जिला शिक्षा केन्द्र के योजना प्रभारियों से समस्त बिंदुओं पर कार्य योजना तैयार कर समय-सीमा में सभी कार्यों को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने थाने पर दर्ज कराई तीसरी शिकायत

इंदौर। आर्थिक में भिक्षावृत्ति के खिलाफ लगातार सख्ती का दौर जारी है। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग ने अब लसूड़िया थाने पर तीसरी शिकायत दर्ज कराई है। इससे पहले भंवरकुआं थाने में दो मामले दर्ज कराए गए थे।यह कार्रवाई कलेक्टर द्वारा 2 जनवरी को भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के तहत की जा रही है। जिसमें एडिशनल डीसीपी ने बताया कि, विभाग ने लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित बावड़ी बालाजी मंदिर के बाहर भिक्षा मांगने वाले एक कार चालक पर प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन का प्रकरण दर्ज कराया है।गौरतलब है कि, कलेक्टर ने 2 जनवरी को भिक्षावृत्ति को समाप्त करने के उद्देश्य से प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया था। जिसके तहत भिक्षा देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग इस दिशा में अपनी कार्रवाई को तेज कर चुका है, और आने वाले समय में और भी ऐसे मामलों की उम्मीद जताई जा रही है।

कान्ह नदी पर पांच सौ करोड़ से ज्यादा खर्च, फिर भी नदी दूषित

इंदौर। इंदौर से बहकर शिप्रा नदी में मिलने वाली कान्ह नदी के शुद्धिकरण पर बीते 10 वर्षों में 500 करोड़ रुपये खर्च हो चुके है, लेकिन कान्ह नदी साफ नहीं हो पाई। उज्जैन में त्रिवेणी संगम तक जाते जाते कान्ह नदी पवित्र शिप्रा को फिर दूषित कर देती है। इसके चलते उज्जैन में कान्ह नदी को बाईपास करने की योजना बनाना पड़ी। उस पर भी सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। आखिर इतना पैसा खर्च करने के बावजूद नदी साफ क्यों नहीं हो पा रही है? इस पर अब सवाल उठने लगे हैं।इंदौर के समीप रालामंडल में कान्ह नदी का उद्गम स्थल है। यह नदी इंदौर शहर के बीचों बीच से बहती है। किनारों पर बसाहट होने के कारण नदी शहर का सीवरेज ढोने का काम करती है, लेकिन 10 साल पहले 300 करोड़ के सीवरेज प्रोजेक्ट के तहत शहर में और नदी के किनारे पर पाइप बिछाए गए। यह पाइप लाइन सीधे कबीटखेड़ी ट्रीटमेंट प्लांट तक गंदे पानी को ले जाती है। वहां पानी को शुद्ध किया जाता है और फिर नदी में पानी छोड़ा जाता है। इंदौर में सीवरेज प्रोजेक्ट पर 300 करोड़ और ट्रीटमेंट प्लांट बनाने पर 200 करोड़ रुपये खर्च हो चुके है। केंद्र सरकार ने 500 करोड़ रुपये नदी शुद्धिकरण के लिए और मंजूर किए हैं।इंदौर में पहले ट्रीटमेंट प्लांट शक्कर खेड़ी में बनना था, लेकिन वहां नगर निगम को जगह नहीं मिली, जबकि पूर्वी क्षेत्र के सीवरेज पाइप वहां तक बिछाए जा चुके थे। पैसा लैप्स होने के कारण अफसरों ने कबीटखेड़ी में ही प्लांट बनाने का फैसला लिया। अब इंदौर शहर का विस्तार कबीटखेड़ी से आठ किलोमीटर आगे तक हो गया है। इस विस्तारित शहर का गंदा पानी सीधे कान्ह नदी में मिल रहा है। कबीटखेड़ी के आगे ट्रीटमेंट प्लांट नहीं बनाए गए हैं। इंदौर से उज्जैन के बीच कान्ह नदी किनारे धरमपुरी, सांवेर सहित 30 से अधिक गांव आते हैं। इन गांवों में भी ट्रीटमेंट प्लांट नहीं लगे है। गांव का दूषित जल सीधे नदी में मिलता है। इस कारण उज्जैन तक पहुंचते-पहुंचते कान्ह नदी नाले में तब्दील हो जाती है।

नदी को बाइपास करने पर 900 करोड़ खर्च

उज्जैन में कान्ह नदी को बाईपास करने पर प्रदेश सरकार 900 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। जमीन के नीचे 12 किलोमीटर की सुरंग बनाई जा रही है। इसके अलावा 20 किलोमीटर क्लोज डक्ट बनाई जा रही है। इससे होकर कान्ह नदी का पानी उज्जैन के आगे गंभीर नदी में मिलेगा। उज्जैन के जमालपुरा में नदी को बाईपास किया जाएगा।

आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के विशेषज्ञ डॉ. निर्मल भटनागर का डॉ. देवेंद्र मालवीय से साक्षात्कार, विशेष प्रसारण दूरदर्शन पर कल सुबह 11 :30 बजे

सद्भावना पाती/इंदौर

नई सोच और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के इस दौर में, बच्चों के उज्जवल भविष्य के निर्माण हेतु मार्गदर्शन करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इसी दिशा में प्रतिष्ठित करियर विशेषज्ञ डॉ. निर्मल भटनागर ने बच्चों एवं उनके पालकों के लिए दैनिक सदभावना पाती के संपादक डॉ. देवेंद्र मालवीय से एक विशेष इंटरव्यू में अपने विचार साझा किए। इस रोचक एवं ज्ञानवर्धक इंटरव्यू में दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षा के महत्व, बच्चों के पालन-पोषण तथा उनकी रुचि के अनुरूप करियर चुनाव की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की। यह विशेष इंटरव्यू कल 7 फरवरी 2025 को सुबह 11:30 बजे दूरदर्शन पर प्रसारित किया जाएगा। प्रसारण के कुछ समय पश्चात डीडी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर इसका लिंक उपलब्ध हो जाएगा। साथ ही, डीडी फ्री डिश के माध्यम से डीडी मध्यप्रदेश पर भी इसे देखा जा सकता है। भारत सरकार की ऐप 'वेब एक्स लिंक' पर भी इस ज्ञानवर्धक वार्ता का आनंद लिया जा सकता है। डॉ. निर्मल भटनागर ने यह रेखांकित किया कि कैसे समय के साथ बदलते सामाजिक और तकनीकी परिवेश में बच्चों की क्षमताओं को पहचानना और उन्हें सही दिशा में प्रेरित करना चाहिए। श्री भटनागर का मानना है कि पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ डिजिटल युग की मांगों के अनुसार शिक्षण विधियों में बदलाव की आवश्यकता है। बच्चों के सही दिशा में विकास हेतु पालकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पालकों को चाहिए कि वे बच्चों की रुचियों को समझें और उन्हें प्रोत्साहित करें। बच्चों के करियर विकल्प उनके स्वाभाविक झुकाव पर आधारित होने चाहिए। सही सलाह और समय पर सही मार्गदर्शन से बच्चे अपने सपनों को सच कर सकते हैं।

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को विभिन्न शाखाओं का सौंपा गया प्रभार

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को विभिन्न शाखाओं का कार्य सौंपा है। जारी आदेश के अनुसार संयुक्त कलेक्टर अजीत श्रीवास्तव को धार्मिक न्यास एवं देवस्थान वक्फ बोर्ड, विभागीय जांच, शिकायत शाखा, प्रभारी एवं अन्य मंत्री एवं संभाग आयुक्त से प्राप्त शिकायतों के निराकरण, भारतीय रेडक्रास सोसायटी, पी.सी.एन्ड.पी.एन.डी. एक्ट , राज्य बीमारी सहायता एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रकरण, राहत शाखा, जिला चिकित्सालय रोगी कल्याण समिति तथा स्वास्थ्य अर्बन हेल्थ का प्रभार सौंपा गया है। इसी प्रकार प्रभारी डिप्टी कलेक्टर चरनजीत सिंह हुड्डा को सत्कार शाखा, एसिड अनुमति, प्रेस रजिस्ट्रीकरण, आपदा प्रबंधन, अनुज्ञप्ति शाखा, पेट्रोलियम एवं एक्सप्लोसिय एक्ट के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण जारी करना, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर विनोद राठौर को नजूल शाखा, राष्ट्रीय प्राधिकरण भू अर्जन के मुआवजा प्रकरणों का भुगतान, ई-गवर्नेंस शाखा, ब्रिस्क, संस्थागत, वित्त, अल्प बचत, चिडफंड, लोक सेवा गारन्टी, जी.एम.एफ.सी. शाखा, लोक सूचना अधिकारी, लोकायुक्त आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा, लोकल बाडी, जे.सी.शाखा तथा मुकदमा नीति शाखा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कल्याणी पाण्डेय को रीडर टू कलेक्टर शाखा, राजस्व स्थापना शाखा, एस.डब्ल्यू , लेखा शाखा, अभिलेखागार राजस्व/सामान्य, स्टेशनरी, लायबेरी एवं फार्म्स, व्यपवर्तन शाखा, शहरी सर्वेक्षण एवं शहरों के नक्शों के निर्माण एवं अद्यतीकरण, सदर वसूली बाकी नवीस शाखा, भू-अभिलेख/भू-प्रबंधन/शहरी सिलिंग, जनसुनवाई तथा पीएम/सीएम एवं सी.एस. मॉनिट शाखा नोडल अधिकारी कॉल सेन्टर शाखा का कार्य दिया गया है।

इसी तरह संयुक्त कलेक्टर विजय मण्डलोई को जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान का प्रभार दिया गया है। साथ ही उन्हें मध्यस्थता सेल, नागरिक सुरक्षा सम्बन्धित कार्य, विधानसभा प्रश्नों के सहायक नोडल अधिकारी, भू-अर्जन शाखा तथा लोक परिसम्पत्ति शाखा, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रियंका चौरसिया को नजारत शाखा, सहायक अधीक्षक सामान्य/राजस्व शाखा, कलेक्टर सहभागिता समिति एवं कलेक्टर हेल्प लाईन समाधान समिति, आवक-जावक शाखा, प्रतिलिपि शाखा तथा खनिज अधिकारी का प्रभार दिया गया है। संयुक्त कलेक्टर श्रीमती रोशनी वर्धमान को वरिष्ठ लिपिक शाखा, इन्दौर सी.एस.आर. फाउण्डेशन सम्बन्धी कार्य, कॉलोनी सेल शाखा तथा म.प्र. औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन शाखा का कार्य सौंपा गया है।

प्रभारी डिप्टी कलेक्टर सीमा कनेश मौर्य को हिन्दू मेरिज एक्ट विशेष विवाह अधिनियम के प्रकरणों में कार्यवाही, भारतीय नागरिकता एवं पासपोर्ट संबंधी कार्य एवं जांच, सालवेन्सी एवं नादारी, महाराष्ट्र साहित्य सभा (पर्यवेक्षण अधिकारी), पुनर्वास शाखा, समाधान ऑनलाईन, ई. आफिस कार्य प्रणाली का क्रियान्वयन, पी.जी.आर. शाखा, पेयजल आडिट शाखा, एन.जी.टी. शाखा (राष्ट्रीय हरित अभिकरण), चरित्र सत्यापन शाखा तथा समयावधि पत्र आदि शाखाओं का प्रभारी बनाया गया है।

एचडीएफसी बैंक पर धोखाधड़ी का आरोप, इंदौर जिला कोर्ट ने बैंक के एमडी समेत चार लोगों पर दर्ज किया मामला

इंदौर। एक फूड व्यापारी ने एचडीएफसी बैंक पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं। महाकाली फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर पंकज साहा ने बैंक के खिलाफ इंदौर जिला कोर्ट में निजी परिवाद दायर किया था। लगातार 10 सुनवाई के बाद आखिरकार कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ गैर जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया है।पूरा मामला 2017 से 2022 के बीच का है। महाकाली फूड्स ने एचडीएफसी बैंक से 10 करोड़ का लोन लिया था, जिस पर 8.15त्न से 9.15त्न तक ब्याज दर तय हुई थी। लेकिन बैंक ने 8.25त्न से 11.45त्न तक ब्याज वसूलते हुए 65 लाख रुपये अतिरिक्त वसूली। ये राशि बैंक ने ऑटो डेबिट सिस्टम के जरिए सीधे खाते से काट ली। महाकाली फूड प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर ने बताया कि बैंक से कई बार लिखित जवाब मांगा, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बैंक ने लोन चुकाने के बाद ही ज्यादा वसूली गई राशि वापस करने की बात कही गई थी। हमने 2022 में पूरा लोन चुका दिया और हृह्लष्ट भी ले ली, लेकिन बैंक ने 65 लाख रुपये वापस नहीं किए।÷

70 करोड़ रुपए का प्लांट घाटे में बेचना पड़ा

महाकाली फूड के डायरेक्टर पंकज ने बताया कि 70 करोड़ रुपए का प्लांट भी हमे घाटे में बेचना पड़ा। क्योंकि बैंक की राशि हमें पूरी चुकानी थी जिसे बेचकर बैंक की राशि जरूर चुकाई। लेकिन बैंक ने 65 लाख रुपए जो कि ज्यादा राशि वसूली थी वह वापस नहीं की। इसके बाद हमने बैंक में कई बार संपर्क किया लेकिन अब न्यायालय ने बैंक अधिकारियों पर गैर जमानती धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है, तो आप हमें उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, ऑनलाइन सट्टेबाजी गैंग के सदस्य की 1 करोड़ की संपत्ति अटैच

इंदौर। शहर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े एक बड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच की है। यह संपत्ति महू के रहने वाले मनोज मालवीय की है, जो लंबे समय से ऑनलाइन सट्टा संचालन के धंधे में शामिल था। ईडी ने इस कार्रवाई की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की है।ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि मनोज मालवीय महू के कुख्यात सट्टेबाज लोकेश वर्मा और निखिल हलभवी उर्फ अजय रतन राजपूत के साथ मिलकर ऑनलाइन सट्टा संचालित करता था। यह गैंग अवैध बेटिंग एप 'सट्टा मटका' और 'धनगेम्स' के जरिए मध्य प्रदेश, कर्नाटक और देश के अन्य हिस्सों में लोगों को सट्टा खेलने के लिए उकसाती थी। इस रैकेट में शामिल लोग अपने यूपीआई खातों से धनगेम्स एप के वॉलेट में पैसे लोड करते थे और फिर इस रकम से सट्टा खेलते थे। ईडी की जांच में सामने आया कि इस पैसे को कई फर्जी बैंक खातों के माध्यम से ट्रांसफर किया जाता था, जो लोकेश वर्मा के पास पहुंचता था। ईडी के मुताबिक, इस नेटवर्क के मास्टरमाइंड लोकेश वर्मा ने विभिन्न लोगों की केवाईसी का दुरुपयोग कर उनके बैंक खातों को अवैध लेनदेन के लिए इस्तेमाल किया।इस पूरे सट्टा कारोबार से वर्मा ने करीब 25 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की। इससे पहले, ईडी ने जनवरी 2024 में इस मामले में कार्रवाई करते हुए 46 लाख रुपये नकद जब्त किए थे। इसके अलावा, 19 जनवरी 2024 को 8.89 करोड़ रुपये की 10 अचल संपत्तियां और बैंक खाते भी सील किए गए थे। अब, एक साल बाद 30 जनवरी 2025 को ईडी ने 1 करोड़ रुपये की अतिरिक्त संपत्ति अटैच की है।ऑनलाइन सट्टेबाजी का यह मामला नया नहीं है। महू के गुजरोखेड़ा इलाके में दो साल पहले भी ईडी ने छापा मारा था। उस समय भी ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8.89 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी और 46 लाख रुपये नकद जब्त किए थे। पुलिस ने अक्टूबर 2020 में इसी इलाके में छापा मारकर 9 सटोरियों को गिरफ्तार किया था और 1.33 करोड़ रुपये जब्त किए थे। प्रवर्तन निदेशालय लगातार अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों पर कार्रवाई कर रहा है। इस मामले में आगे और भी खुलासे होने की संभावना है।

मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन कल

इंदौर। इंदौर जिले एवं आस-पास के क्षेत्रों में निवासित सभी पूर्व सैनिकों, वीर-नारियों, विधवाओं एवं आश्रितों के लिए मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन कल 07 फरवरी 2025 को सुबह 11:30 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी इंदौर के सभागार में किया जाएगा। इस दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.) सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं, आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। सभी पूर्व सैनिकों एवं परिवारों से आग्रह किया गया है कि 07 फरवरी 2025 को सुबह 11:15 बजे तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी इंदौर के सभागार में उपस्थित रहकर इस अवसर का लाभ लेवें।

ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए जनता से भी लेंगे सुझाव

इंदौर। ट्रैफिक जाम की वजह से लगातार परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। इंदौर आने वाले पर्यटक, जनप्रतिनिधि और विदेशी नागरिक भी यहां के खानपान, स्वच्छता की तारीफ के बीच ट्रैफिक जाम को कम करने की बात रख रहे हैं। पिछले कुछ साल में प्रशासन और सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं लेकिन सुधार के बजाय ट्रैफिक जाम बढ़ता ही नजर आया है। अब इसे सुधारने के लिए प्रदेश स्तर से योजना बनाई जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इंदौर में ट्रैफिक सुधारना हमारी पहली प्राथमिकता है। हाल ही में प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाना से उनकी मुलाकात हुई जिसमें उन्होंने कहा कि अब पुलिस प्रशासन के लिए भी इंदौर का ट्रैफिक जाम सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए अब कई स्तर पर रणनीति बनेगी और हर रणनीति के परिणामों की पूरी समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए क्या सुझाव हो सकते हैं इसके लिए भी बैठकें करेंगे।

चौराहों से ट्रैफिक पुलिस हटाने का खामियाजा

इंदौर में 32 से अधिक चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लग गए हैं। वाहन चालकों की गलती को कैमरे कैद कर लेते हैं और आनलाइन चालान जनरेट हो जाता है। इसी वजह स चौराहों से ट्रैफिक पुलिस हटा दी गई है। ट्रैफिक पुलिस हटने की वजह से भी लगातार जाम बढ़ रहा है। लोग मनमानी करते हैं और कहीं से भी गाड़ी निकालने लगते हैं। प्रशासन को जनता की तरह से यह फीडबैक कई बार दिया जा चुका है, जिस पर भी विचार किया जा रहा है।

आईडीए बोर्ड की बैठक संपन्न : संचालक मण्डल की बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

इन्दौर। इन्दौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल की बैठक दिनांक 05.02.2025 को दीपक सिंह, संभागायुक्त सह अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर कलेक्टर आशीष सिंह, नगर पालिक निगम आयुक्त शिवम वर्मा, वन मंडलाधिकारी विरेन्द्र पटेल, इन्दौर लोक निर्माण विभाग मुख्य अभियंता सी.एस. खरत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी अधीक्षण यंत्री सुनिल उदिया एवं इ.वि.प्रा. (सदस्य सचिव) मुख्य कार्यपालक अधिकारी आर.पी. अहिरवार उपस्थित थे।

बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयः

- संचालक मण्डल द्वारा मालवा मिल चौराहे से वाव होटल तक एलिवेटेड कॉरिडोर, रसोमा चौराहे एवं रोबोट चौराहे पर विस्तृत सर्वे हेतु फिजिबिलिटी रिपोर्ट एवं डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट हेतु कन्सलटेन्ट की नियुक्ति किये जाने का निर्णय लेते हुए निविदा आमंत्रित किये जाने का निर्णय लिया गया।

- प्राधिकारी की योजना क्रमांक 97 भाग-4 में नगर वन के विकास हेतु कंसलटेंट की नियुक्ति किये जाने का निर्णय लिया गया। इसका चयन प्राधिकारी के पैनल में एंपेनल्ड आर्किटेक्ट में से किया जावेगा।

- योजना क्रमांक 134 पर स्थित भूखंड क्रमांक त्न.11 पर निर्माण की जा रही सीनियर सिटीजन बिल्डिंग के संधारण, रख-रखाव एवं सुचारू संचालन हेतु ट्रांजेक्शन एडवाइजर से प्राप्त अनुशंसाओं को संचालक मण्डल के समक्ष रखा गया।

- योजना क्रमांक 139, 169-ए में निर्मित आय.एस.बी.टी. के संधारण, रख-रखाव एवं सुचारू संचालन हेतु नियुक्त ट्रांजेक्शन एडवाइजर से प्राप्त अनुशंसाओं को संचालक मण्डल के समक्ष रखा गया।

- एक अन्य निर्णय में प्राधिकारी की योजना क्रमांक 151 एवं सुपर कॉरीडोर पर स्थित स्टार्टअप पार्क के संबंध में आर्किटेक्ट मेसर्स मेहता एण्ड एसोसिएट्स एलएलपी द्वारा संशोधित डिजाईन का प्रदर्शन संचालक मण्डल के समक्ष किया गया एवं निर्णय लिया गया कि पीपीपी हेतु आवश्यक प्रस्ताव आमंत्रित किये जावेंगे।

- योजना क्रमांक 172 में 17 हेक्टर भूमि पर कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए कंसलटेंट द्वारा आवश्यक प्रेजेंटेशन संचालक मंडल के सम्मुख प्रस्तुत किया गया।

- योजना टीपीएस-04 के सड़क निर्माण कार्य के लिए परियोजना प्रबंधन कन्सलटेन्ट हेतु न्यनूतम निविदादाता की निविदा स्वीकृत की गई।

- संचालक मण्डल द्वारा सहायक संचालक/सचिव, कार्यालय, कृषि उपज मंडी समिति, इन्दौर द्वारा प्रेषित पत्र दिनांक 03-02-2025 पर विचार करते हुए सुपर कॉरिडोर पर एग्रोमार्ट के लिये भूखण्ड उपलब्ध करवाने का निर्णय राज्य शासन से अनुमोदन प्राप्त होने की शर्त पर किया गया।

मां ललिता पराम्बा निकली अपने भक्तों को दर्शन देने, जगह-जगह रथ पर हुई पुष्प वर्षा

इंदौर। विमानतल मार्ग स्थित श्रीविद्या धाम पर चल रहे मंदिर के 29वें प्रकाशोत्सव में बुधवार शाम को मां ललिता पराम्बा अपने भक्तों को दर्शन देने श्रृंगारित रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकली तो सैकड़ों भक्तों ने नाचते-गाते हुए पुष्प वर्षा की और मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। आश्रम परिवार के पं. दिनेश शर्मा, रमेशचंद्र राठौर, रमेश पसारी ने बताया कि मंदिर के प्रकाशोत्सव पर अष्टमी के उपलक्ष्य में बुधवार को स्वर्ण एवं अन्य आभूषणों से श्रृंगारित मां ललिता पराम्बा जब फूलों से सुगंधित रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकली तो आश्रम की पाठशाला के वेदपाठी बटुकों सहित सैकड़ों भक्तों ने उनकी अगवानी की। महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में आश्रम से प्रारंभ रथयात्रा कान्यकुब्ज नगर, एवं 60 फीट रोड होते हुए पुनः मंदिर पहुंची, जहां 56 भोग समर्पित किए गए।

उद्योग एवं शिक्षा परामर्श कार्यशाला 7 फरवरी को

इंदौर। कौशल विकास संचालनालय मध्यप्रदेश शासन द्वारा उद्योग एवं शिक्षा परामर्श कार्यशाला 7 फरवरी को सुबह 10 बजे से शाम 04.30 बजे तक ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर स्कीम नंबर 78 भाग-2 विजय नगर इंदौर में आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस), मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना (स्स्स्यङ्ख), प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस), प्रशिक्षण की दोहरी प्रणाली(डीएसटी), युवा संगम तथा फ्लेक्सी-एमओयू आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में पार्षद कालरा के खिलाफ जमानती वारंट जारी

इंदौर। याचिकाकर्ता ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र का उपयोग करने पर याचिका लगाई थी। कोर्ट ने छह माह में आयोग व अफसरों को जांच करने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक बीतने के बावजूद जांच नहीं हो पाई, इसे लेकर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की।फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने भाजपा पार्षद कमलेश कालरा और तीन अफसरों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। कमलेश कालरा पर इंदौर नगर निगम के चुनाव में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने का आरोप है। इस मामले में कोर्ट में याचिका दायर की गई है।हाईकोर्ट ने कालरा के अलावा पिछड़ा वर्ग आयोग, अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख सचिव व कमिश्नर के अलावा एसडीएम के खिलाफ 5000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। सभी को तीन मार्च तक जमानत कराकर हाईकोर्ट में पेश होना होगा।पार्षद कमलेश कालरा वही पार्षद हैं, जिनका पार्षद जीतू यादव जाटव के साथ विवाद हुआ था और उसके बाद भाजपा ने यादव को पार्टी से छह सालों के लिए बाहर निकाल दिया था। फोन पर नगर निगम निगम कर्मचारी को गालियां देने के मामले में कालरा के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है।

जांच नहीं होने पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

याचिकाकर्ता ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र का उपयोग करने पर याचिका लगाई थी। कोर्ट ने छह माह में आयोग व अफसरों को जांच करने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक बीतने के बावजूद जांच नहीं हो पाई, इसे लेकर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। हाईकोर्ट में कांग्रेस उम्मीदवार सुनील यादव की तरफ से याचिका लगाई गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि प्रमाण पत्र की जांच के लिए जानबूझकर देरी की जा रही है। इस मामले में अगली सुनवाई तीन मार्च को होगी।

किसानों का हल्ला बोल, मंत्रालय घेरने जा रहे किसानों से डिप्टी सीएम बोले- सभी मांगें होंगी पूरी

भोपाल। फसलों के दाम में बढ़ोतरी जैसे कई मुद्दे लेकर प्रदेश भर के किसान बुधवार को राजधानी भोपाल पहुंचे। प्रदेश से आए किसान वल्लभ भवन मंत्रालय घेरने का प्लान बनाया था इसके पहले किसान लिंक रोड नंबर एक स्थित ऑफिस के सामने धरना दे रहे थे। इसी बीच डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा किसानों से मिलने धरना स्थल पहुंचे और उनकी मांगों को पूरी करने का आश्वासन दिया। किसानों ने डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा को आवेदनों से भरा झोला सौंपा। जिसके बाद किसानों ने धरना खत्म कर दिया है। इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा, मुझे पता लगा कि किसान वल्लभ भवन आ रहे हैं तो सरकार खुद उनके पास आ गई। डिप्टी सीएम ने किसानों की सारी मांगों को पूरा करने की बात कही।

सरकार ने हमेशा किसानों के हित में निर्णय किए

देवड़ा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने समय-समय पर किसानों के हित में निर्णय लिए हैं। जो भी शिकायती ज्ञापन मिले हैं, उनका जल्द समाधान किया जाएगा। किसान हमारे हैं, हम आपसे अलग नहीं हैं। हम आपके साथ खड़े हैं।% इसके बाद किसानों ने शिकायती आवेदनों से भरा झोला डिप्टी सीएम को सौंप दिया।

वोट के बाद किसानों को भूल जाती है सरकार

प्रदर्शन करने भोपाल पहुंचे किसानों ने कहा है कि जब तक वोट नहीं डलते तब तक सब बात सुनते हैं। अब वोट देकर राजा बना दिया, तो उन्होंने हमें अपने हाल पर छोड़ दिया। ऐसे ही काम हो रहे होते तो बच्चों को वहां छोड़कर यहां थोड़े ही आते। हमें इसमें मजा थोड़े ही आता है। सरकार फसलों के अच्छे रेट के नाम पर हर बार झुनझुना पकड़ा देती है। संघ के मध्य भारत प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने कहा, प्रदेश में किसान राजस्व विभाग के फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, बटांकन, नक्शा सुधार जैसे कार्यों में की जा रही लूट से परेशान हो गया है। पटवारी से एक चिड़िया बनवाना हो तो रिश्वत देना पड़ता है। इसमें तो सब बड़े-बड़े लोग भी शामिल हैं।

सड़क पर धरने की नहीं मिली थी अनुमति

भोपाल में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की तैयारी और डामरीकरण के चलते किसानों को मुख्य सड़क पर धरने की अनुमति नहीं दी गई। इसके चलते संघ कार्यालय के ठीक सामने सर्विस रोड पर धरना प्रदर्शन किया गया। किसान नेताओं का दोपहर 3 बजे के बाद किसान वल्लभ भवन का घेराव करने का प्लान था। उधर, पुलिस ने बेरिकेडिंग कर रखी थी। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा अमेरिका?

कमलेश पांडे

चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और ऐसा वह उस अमेरिका की कीमत पर करना चाहता है जिसने उसके नवनिर्माण और समुत्थान में महती भूमिका निभाई है। हालांकि अमेरिका भी इसे भलीभांति समझ चुका है और समुपस्थित विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो के डॉलर की चिंता और उसके लिए जिम्मेदार चीन सम्बन्धी हालिया बयानों पर जब आप गौर करेंगे तो यह समझ जाएंगे कि अमेरिका की चिंता सिर्फ डॉलर की गिरती साख को ही बचाने की नहीं है बल्कि वह सोवियत संघ की भांति ही अब चीन को भी निबटाने की रणनीति पर फोकस कर चुका है। ऐसे में सुलगता सवाल यह है कि क्या अमेरिका सिर्फ डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा या फिर कुछ अन्य मौजूं उपाय भी करेगा!

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल की कवायद जिस तरह से चीन कर-करवा रहा है और इस नजरिए से ब्रिक्स देशों यानी रूस-ब्राजील आदि को ढाल बनाए हुए है, उससे अमेरिका भड़क चुका है और सम्बन्धित देशों को खुलेआम धमकियां देनी भी शुरू कर दी है। चीन के खिलाफ ताइवान का हथकंडा और दक्षिण चीन सागर विवाद को शह देने और रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़काते रहने और नाटो देशों से सहयोग दिलवाने के पीछे की व्यापक रणनीति भी तो इसी बात की चुगली करती है। वहीं, ब्रिक्स देशों की सम्भावित वैकल्पिक मुद्रा से डॉलर के समक्ष उतपन्न होने वालों खतरों के सम्भावित दुष्परिणामों के बारे में अमेरिका ने जिस तरह से आगाह करना शुरू कर दिया है, उससे भारत समेत कतिपय ब्रिक्स देश भी सकते में हैं, आशंकित हैं और अपने बचाव में तर्क भी दे चुके हैं।

गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में जब ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश विशेष रूप से चीन-रूस अमेरिकी डॉलर का विकल्प या ब्रिक्स मुद्रा की मांग कर रहे हैं, तब भारत डी-डॉलराइजेशन यानी विश्व व्यापार और वित्तीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग में कमी के खिलाफ है। दिसम्बर 2024 में ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत कभी भी डी-डॉलराइजेशन के पक्ष में नहीं रहा है व ब्रिक्स मुद्रा बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल का प्रयास करेंगे तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम खड़े होकर बस देखते रहें, इस तरह के विचारों के दिन लद चुके हैं। लिहाजा, वह ब्रिक्स देशों से यह प्रतिबद्धता चाहते हैं कि वे न तो नई मुद्रा बनाएंगे और न ही किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे। वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी कहा है कि इस मसले पर चीन से हमें निबटना होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि हम इस मुद्दे पर युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हम इस पर गौर करने जा रहे हैं। क्योंकि चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और वे ऐसा हमारी कीमत पर करना चाहते हैं। इससे निपटना होगा। बता दें कि चीन की वैश्विक रणनीति को लेकर अमेरिका अब सजग हो चुका है और आर्कटिक व दक्षिण अमेरिका में चीनी गतिविधियों से उतपन्न खतरे को निर्मूल करने के लिए ही ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर पर पुनः नियंत्रण पाने और कनाडा को अमेरिका में मिलाने जैसी दूरदर्शिता भरी रणनीति का आगाज समय रहते ही कर चुका है, भले ही वह पहले जितना आसान नहीं हो।

जानकार बताते हैं कि रूस-चीन-ब्राजील जैसे ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर और यूरो पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसी नजरिए से साल 2022 में 14वें ब्रिक्स समिट के दौरान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि सदस्य देश नई रिजर्व करेंसी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने भी डॉलर के दबदबे को कम करने के लिए ब्रिक्स करेंसी बनाने का सुझाव दिया था।

क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक मुद्रा भंडार के रूप में डॉलर का हिस्सा 59 प्रतिशत है, जबकि दुनिया के कुल कर्ज में 64 प्रतिशत का लेनदेन डॉलर में होता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में भी डॉलर की 58 प्रतिशत हिस्सेदारी है। खास बात यह है कि यूरोपीय संघ बनने और उसकी मुद्रा यूरो के अस्तित्व में आने के बाद से डॉलर के दबदबे में कमी आई है, लेकिन अभी भी यह सबसे अधिक चलन वाली मुद्रा बनी हुई है। ऐसे में यदि ब्रिक्स देश भी कोई नई मुद्रा ले आते हैं तो इससे डॉलर का मूल्य घटेगा। शायद इसलिए अमेरिका अब चौकन्ना हो चुका है और इस नए सम्भावित संकट से निबटने के लिए साम-दाम-दंड-भेद की नीति अख्तियार कर लिया है। उसकी ताजा धमकियां इसी बात की चुगली कर रही हैं। ब्रिक्स देशों के बीच भारत के परिवर्तित स्टैंड से भी उसे राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स देश दुनिया के उन दस महत्वपूर्ण देशों का संगठन है, जो पश्चिमी देशों के जी-7 और नाटो जैसे दबंग देशों से समान प्रतिस्पर्धा करने के लिए खुद को एकजुट किये हुए हैं। वर्ष 2009 में स्थापित ब्रिक्स समूह में भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिश्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) नामक देश शामिल हैं। चूंकि यह एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका यानी यूएसए को शामिल नहीं किया गया है। इसी वजह से वह इस पर बिफरा रहता है।

बता दें कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था 25.5 ट्रिलियन से अधिक है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है। विश्व बैंक के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिक्स देशों की जीडीपी, ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर में इस प्रकार है- चीन- 17.79, भारत- 3.55, ब्राजील- 2.17, रूस- 2.02, यूएई- 0.5, मिश्र- 0.4, ईरान- 0.4, दक्षिण अफ्रीका- 0.37 और इथियोपिया- 0.16. वहीं, यूएन ट्रेड डाटाबेस के 2023 के आंकड़ों से पता चलता है कि ब्रिक्स देशों के साथ अमेरिका का व्यापार अरब यूएस डॉलर में इस प्रकार है- भारत से निर्यात- 40.1, आयात- 87.3, चीन से निर्यात- 147.8, आयात- 448, ब्राजील से निर्यात-44.8, आयात- 41, यूएई से निर्यात- 24, आयात- 00, इंडोनेशिया से निर्यात- 00, आयात- 28.1, सऊदी अरब से निर्यात- 13.9 और आयात- 16.5, अन्य सदस्य देश से निर्यात- 23.5 और आयात- 29.

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जहां जीडीपी के मामले में ब्रिक्स देशों में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है, वहीं अमेरिका से होने वाले कारोबार में भी उसकी एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसलिए न तो ब्रिक्स देश भारत की अवहेलना करने की सोच पाएंगे और न ही अमेरिका उसकी उपेक्षा कर पाएगा। वही, यह भी स्वाभाविक है कि इतने बड़े कारोबारी फायदे को अमेरिका गंवाना नहीं चाहेगा। क्योंकि इसे गंवाने का सीधा असर उसकी वैश्विक थानेदारी पर पड़ेगा। यही वजह है कि समय रहते ही अमेरिका ने ब्रिक्स देशों की मुखालफत शुरू कर दी है, जिससे ब्रिक्स देशों की परेशानी निकट भविष्य में बढ़ सकती है। बता दें कि यह वही अमेरिका है जिसने चीन के नवनिर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है। उसे तकनीकी रूप से अपग्रेड होने में स्वार्थपरक मदद दी है। समझा जाता है कि शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ (रूस व उसके पड़ोसी देशों का समूह) और भारत की युगलबंदी को मात देने के लिए ही अमेरिका रणनीतिक रूप से चीन-पाकिस्तान-अफगानिस्तान के अलावा अरब देशों की रणनीतिक मदद करता था और अपने वैश्विक हित साधता था। तब चीन के सम्बन्ध भी भारत और रूस से उतने प्रगाढ़ नहीं थे, जितने अमेरिका-पाकिस्तान-अफगानिस्तान व अरब देशों से थे।

लेकिन सोवियत संघ के पतन के बाद अमेरिका के नेतृत्व में हुए निजीकरण और भूमंडलीकरण से खूब लाभान्वित होने के बाद चीन जब अमेरिका की जगह दुनिया का नया थानेदार बनने की महत्वाकांक्षा पाल ली और रूस-भारत से मधुर सम्बन्ध बनाकर उन्हें ब्राजील के साथ ब्रिक्स संगठन से जोड़ लिया तो अमेरिका को यह नागवार गुजरा। वहीं, जब अफगानिस्तान-पाकिस्तान से अमेरिकी पांव उखाड़ने में चीन ने रणनीतिक चुप्पी दिखाई तो अमेरिका और बौखला उठा। इस बीच अमेरिका-इराक युद्ध, अमेरिका-ईरान विवाद, फिलिस्तीन-इजरायल विवाद, तुर्की प्रेरित सीरिया संकट आदि के दौरान भी चीन की वही रणनीति रही, जिससे इस क्षेत्र से अमेरिकी पांव उखड़े। इसी बीच चीन से एक बड़ी गलती यह हो गई कि वह भारत से उलझ गया, जिससे भारत पुनः सावधान हो गया और उसने रूसी मित्रता के साथ-साथ अमेरिका-इजरायल से प्रगाढ़ सम्बन्ध स्थापित कर लिए। वहीं, रूसी सहयोग से ईरान के साथ नई समझदारी विकसित की। जापान से लेकर फ्रांस जैसे भरोसेमंद दोस्तों को साधा। इस दौरान भारत ने इतने समझदारी भरे कदम उठाए कि अमेरिका, रूस, चीन जैसे बड़े देशों के अलावा ब्रिटेन-जर्मनी-ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया आदि जैसे देश भी किसी भी वैकल्पिक गठबंधन में भारत की उपेक्षा नहीं कर सकें। कुल मिलाकर संतुलित वैश्विक कूटनीति से भारत अपने मकसद में कामयाब रहा और उसकी वैश्विक पूछ बढ़ी। इसका फायदा उठाकर भारत ने तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की तरफदारी शुरू कर दी, ताकि विकसित देशों की स्वार्थी गतिविधियों को परमार्थी दृष्टिकोण यानी वसुधैव कुटुंबकम के स्थायी भाव से जोड़ा जा सके और सबका समावेशी व संतुलित विकास किया-करवाया जा सके। यह बात अमेरिका, रूस, चीन को नागवार गुजरी, लेकिन इनकी पारस्परिक प्रतिस्पर्धा से भारत का बढ़ता महत्व जगजाहिर है। अमेरिकी नेतृत्व वाले क्वाड देशों में भारत का बढ़ता महत्व भी इसी बात का परिचायक है। वहीं, यह सवाल भी मौजूं है कि क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा अमेरिका? या फिर कुछ अन्य चिरपरिचित युक्तियों का सहारा लेगा, जो कि वह यत्र-तत्र-सर्वत्र आजमाया आया है। जिसमें कभी पास हुआ है तो कभी फेल। चीन के मामले में भी यदि वह रणनीतिक रूप से पिट जाए तो किसी को हैरत नहीं होगी। क्योंकि अमेरिकी लोकतंत्र खोखला हो चुका है, जबकि चीनी साम्यवादी तानाशाह दिन-प्रतिदिन खुद को मजबूती पूर्वक पेश करने में सफल प्रतीत होता है।

नर्मदेश्वर महादेव एवं मां नर्मदा का त्रिवेणी के जल से अभिषेक, नदियों को स्वच्छ रखने की शपथ ली

इंदौर। श्रद्धा सुमन सेवा समिति के सदस्यों ने पंचकुइयां रोड, अंतिम चौराहा स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर एवं नटखट हनुमान मंदिर पर नर्मदा जयंती के उपलक्ष्य में मां नर्मदा का पूजन-अभिषेक एवं आरती कर मां नर्मदा के पवित्र जल के संरक्षण एवं देश की नदियों के जल को हमेशा साफ-सुथरा एवं निर्मल बनाने में सहयोग रखने की शपथ ली। अखंड धाम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप के सानिध्य में इस बार मां नर्मदा की प्रतिमा का प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए त्रिवेणी के पावन जल से अभिषेक कर आरती की गई। समिति के अध्यक्ष हरि अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी, राजेंद्र गर्ग एवं चेतन सेठिया ने बताया कि इस अवसर पर अखंड धाम के संत राजानंद, विनय जैन, जगमोहन वर्मा, मुरलीधर धामानी, हनुमान प्रसाद सारडीवाल, हरीश नागोरी, राजेश कायथ, अनिल सांगले तथा महिला मंडल की ओर से राजकुमारी मिश्रा, लता सोनी, छाया वर्मा, पुष्पा यादव आदि ने मां नर्मदा का अभिषेक-पूजन किया और नर्मदा के जल संरक्षण के साथ देश की पवित्र नदियों को हमेशा निर्मल, स्वच्छ बनाए रखने के हर संभव प्रयास करने की शपथ भी ली। संचालन राजेंद्र मोहनलाल सोनी ने किया और आभार विजय जैन ने माना।

सायबर जोन इंदौर की एक अनूठी विशेष पहल

इंदौर। राज्य सायबर सेल जोन के पुलिस अधीक्षक महोदय, सव्यसाची सराफ के मार्गदर्शन में आज दिनांक 05/02/2025 को सेफ क्लिक अभियान के अंतर्गत भारत के स्वच्छ शहर इंदौर के ऐतिहासिक प्रसिद्ध खजराना श्री गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी महंत अशोक भट्ट महाराज द्वारा सायबर क्राइम के एसपी द्वारा आयोजित इस आयोजन ओर इस तरह की पहल सराहना की जाकर स्वागत स्वरूप सप्रेम भेट प्रदाय कर उक्त कार्यक्रम में सायबर जागरुकता एवं सुरक्षा संबंधी सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें निरीक्षक राजकुमार लिटोरिया सउनि धीरज सिंह गौर एवं उनि अंबाराम बारूड व टीम के द्वारा पम्पलेट वितरित कर एवं साइबर सुरक्षा से बचाव हेतु मंदिर प्रांगण में आये श्रद्धालुओं एवं लगभग 40-45 पुजारियों को संदेशों के माध्यम से लगभग 8230 आमजन को सायबर के संबंध में अवेयर किया गया, उक्त कार्यक्रम में स्वयं सायबर एस पी द्वारा टीम का उत्साह वर्धन किया गया आज तक के इतिहास में किसी भी सार्वजनिक स्थान में स्वयं एसपी द्वारा एक साथ इतने अधिक संख्या में आमजन को जागरूक किए जाने की प्रथमतः एवं उच्च स्तर की कार्यशैली प्रस्तुत की गई है जो की अत्यंत सराहनीय प्रयास है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सदभावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्सएप करें, कॉल न करें।
व्हाट्सऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

रतन टाटा के 15,000 करोड़ किसे मिलेंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा चले गए लेकिन उनके नेक कामों की यादें और उनके बनाए गए संस्थान हमेशा रहेंगे। लेकिन उनकी बनाई हुई संस्था रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन को लेकर थोड़ी उलझन है। यह फाउंडेशन उनके निजी पैसों से चलाया जाएगा, जिससे समाज सेवा के काम होंगे। लेकिन आरटीईएफ के ट्रस्टी कौन चुनेगा, यह साफ नहीं है। दिवंगत रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस बारे में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिया है। टाटा ग्रुप से जुड़े लोग इसके लिए किसी निष्पक्ष व्यक्ति से मदद ले सकते हैं। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के किसी रिटायर्ड चीफ जस्टिस को इस मामले में आर्बिट्रेटर बनाया जा सकता है। वही तय करेगा कि ट्रस्टी चुनने का अधिकार टाटा की वसीयत को लागू करवाने लोगों, टाटा फैमिली या टाटा ट्रस्ट के सदस्यों में से किसके पास है।

रतन टाटा ने समाज सेवा के लिए साल 2022 में दो संस्थाएं बनाई थीं जिन्हें उनकी पर्सनल वेल्थ से चलाया

जाएगा। इनमें आरटीईएफ और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट शामिल हैं। इनमें से आरटीईएफ कंपनीज एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत बनाई गई थी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में रतन टाटा की 0.83 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार रतन टाटा की कुल नेटवर्थ लगभग 7,900 करोड़ रुपये थी। आरटीईएफ के पास टाटा डिजिटल और टाटा टेक्नोलॉजीज में भी थोड़ी हिस्सेदारी है।

15,000 करोड़ की नेटवर्थ- सूत्रों के मुताबिक रतन टाटा की नेटवर्थ 15,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा थी। टाटा ग्रुप के अधिकारियों के मुताबिक टाटा चाहते थे कि आरटीईएफ, टाटा ट्रस्ट से अलग रहे। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस का 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रतन टाटा अपनी ज्यादातर वेल्थ समाज सेवा में लगाना चाहते थे। माना जा रहा है कि उनकी ज्यादातर संपत्ति को आरटीईएफ मैनेज करेगा जबकि बाकी ट्रस्ट देखेगा। रतन टाटा के पास कई कारें थीं, जिनमें फेरारी और मसेराती भी शामिल हैं। इन कारों की नीलामी हो सकती है और इससे मिलने वाला पैसा आरटीईएफ को जाएगा।

टाटा ने आर.आर. शास्त्री और बुर्जिस तारापोरवाला को आरटीईएफ के होल्डिंग ट्रस्टी बनाया था। जमशेद पोंचा को सीईओ नियुक्त किया था। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को मैनेजिंग ट्रस्टी बनाने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि आरटीईएफ के ट्रस्टी कौन नियुक्त करेगा। टाटा ने अपनी वसीयत के एग्जीक्यूटर्स के रूप में डेरियस खंबाटा, मेहली मिस्त्री, शिरीन और डायना जेजीभॉय को चुना था। सूत्रों का कहना है कि खंबाटा एक वरिष्ठ वकील हैं लेकिन साथ ही वह रतन टाटा की वसीयत के एग्जीक्यूटर भी हैं। इसलिए स्टेकहोल्डर्स किसी और सीनियर लीगल एक्सपर्ट से सलाह लेना चाहेंगे। जेजीभॉय बहनें रतन टाटा की सौतेली बहनें हैं। रतन टाटा के करीब मिस्त्री सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड ट्रस्टी हैं।

क्या कहते हैं जानकार

इस बारे में वसीयत के चारों एग्जीक्यूटर्स ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वसीयत की कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाने पर आरटीईएफ को टाटा संस और ग्रुप की कंपनियों में रतन टाटा की हिस्सेदारी से काफी पैसा मिलेगा। रतन टाटा का 86 साल की उम्र में अक्टूबर 2024 में निधन हो गया था। रतन टाटा चाहते थे कि आरटीईएफ समाज सेवा के नए और जरूरी क्षेत्रों पर ध्यान दे। आधुनिक भारत के लिए जरूरी तकनीकों पर शोध को बढ़ावा दे और ऐसे काम करे जिससे समाज का भला हो। फिलहाल, आरटीईएफ एक बोर्ड द्वारा संचालित संस्था है और अपने उद्देश्यों के अनुसार काम करती है।

लिटिल एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर, अजय खतलावाला ने कहा कि आम तौर पर अगर वसीयत में संपत्ति के प्रबंधन के बारे में कोई खास निर्देश नहीं हैं, तो एग्जीक्यूटर्स की जिम्मेदारी होती है कि वो दिवंगत व्यक्ति की इच्छा के अनुसार काम करें। खतलावाला ने कहा कि आरटीईएफ कंपनीज एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत स्थापित कंपनी है। इसलिए, यह अपने मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन, आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन और कंपनीज एक्ट के प्रावधानों के अनुसार चलेगी। आरटीईएफ के ट्रस्टी या डायरेक्टर की नियुक्ति का मामला इसके आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में दिए गए प्रावधानों के अनुसार तय होगा। यह मामला भारत में लीगेसी फाउंडेशन के संचालन के लिए एक मिसाल बन सकता है।

जेएंडके बैंक को मिला 16000 करोड़ का जीएसटी नोटिस, संकट में बैंक के शेयर

नईदिल्ली एजेंसी। शेयर बाजार में हलचल देखने को मिली जब एक अहम खबर के बाद जेएंडके बैंक के शेयर में भारी गिरावट दर्ज की गई। बैंक का शेयर 103.35 रुपए के पिछले बंद भाव के मुकाबले 103.75 रुपए पर खुला था

लेकिन सुबह 11 बजे आई एक बड़ी खबर ने शेयर को झटका दे दिया। खबर के बाद शेयर 4 फीसदी तक टूट गया और 100 रुपए के नीचे आ गया।

जेएंडके बैंक को 16,322 करोड़ का जीएसटी नोटिस- जम्मू और कश्मीर बैंक को बड़ा झटका लगा है। एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, बैंक को जम्मू के जीएसटी कमिश्नर की ओर से लगभग 8,161 करोड़ रुपए के जीएसटी टैक्स डिमांड और इतनी ही राशि का जुर्माना लगाया गया है, जिससे कुल मांग 16,322 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। यह रकम बैंक की मौजूदा मार्केट कैप (11,210 करोड़) से भी अधिक है। इससे पहले भी जेएंडके बैंक पर नियामक कार्रवाई हो चुकी है। बीते हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक ने केवाईसी नियमों के उल्लंघन को लेकर बैंक पर 3.31 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इस नोटिस की खबर के बाद बैंक के शेयर पर दबाव बना और इसमें तेज गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला बैंक के वित्तीय प्रदर्शन और निवेशकों की धारणा पर बड़ा असर डाल सकता है।

एटीएम से कैश निकालने वालों को लगने वाला है झटका

नईदिल्ली एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एटीएम से कैश निकालने वाले लोगों के लिए एक बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। अगर आप भी अक्सर एटीएम से कैश निकालते हैं या कैश पेमेंट का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए अहम है। जल्द ही एटीएम से कैश निकालना महंगा हो सकता है क्योंकि आरबीआई एटीएम इंटरचेंज फीस और मुफ्त

निकासी की सीमा के बाद लगने वाले चार्ज बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आइए जानते हैं इस बदलाव से जुड़ी पूरी जानकारी रिजर्व बैंक मौजूदा समय में महीने में 5 कैश विथड्रावल फ्री देता था लेकिन अब RBI इन 5 लेनदेन की लिमिट से अधिक पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की प्लानिंग कर रहा है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को इस बात की जानकारी दी गई है।

कितना बढ़ेगा चार्ज- रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया कि एनपीसीआई ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा चार्ज 21 रुपए से बढ़ाकर 22 करने की सिफारिश की है। इसके अलावा एनपीसीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की है।

मिगसन ग्रुप में फ्लैट बुक के बाद हिडन चार्ज में हुई जीएसटी चोरी, हार्ड डिस्क उगलेगी राज

गाजियाबाद , एजेंसी। मिगसन ग्रुप पर जीएसटी की एसआईबी टीम द्वारा छापेमारी से अन्य बिल्डरों में भी हड़क़ंप मचा हुआ है। जीएसटी की एसआईबी के रडार पर करीब 15 बड़े बिल्डर हैं। इन सभी बड़े बिल्डरों के खिलाफ ग्राहकों ने रेरा से लेकर शासन तक शिकायत दर्ज कराई हुई है। जीएसटी के विभागीय सूत्रों की मानें तो मिगसन ग्रुप पर छापेमारी तो एक शुरूआत भर है, अभी कई बड़े बिल्डर एसआईबी के निशाने पर हैं। आने वाले दिनों में इन बड़े बिल्डरों के यहां भी जीएसटी की एसआईबी द्वारा छापेमारी की तैयारी है। वहीं, मिगसन ग्रुप पर की गई छापेमारी के दौरान एसआईबी लैपटॉप, हार्डडिस्क और कुछ अहम दस्तावेज लेकर गई थी। माना जा रहा है कि लैपटॉप और हार्डडिस्क से मिगसन ग्रुप के घल्लूघारे के कई राज उजागर हो सकते हैं।

विभागीय सूत्रों की मानें तो फ्लैट बुक के बाद बायर्स से लाखों रुपए हिडन चार्ज के रूप में वसूलने की शिकायत पर राज्यकर विभाग एसजीएसटी की विशेष जांच शाखा एसआईबी की टीम ने मिगसन ग्रुप की 15 फर्मों की 41 ब्रांचों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस दौरान छापेमारी टीम ने कंप्यूटर हार्डडिस्क, लैपटॉप और जरूरी कागजात अपने कब्जे में लिए हैं। आरोप है कि बिल्डर ने फ्लैट बुक कराने के बाद कई हिडन चार्ज के रूप में मेंटिनेंस, पार्किंग और विद्युत मीटर पर लोड बढ़ाने के नाम पर लाखों रुपए वसूले थे, लेकिन बिल्डर द्वारा हिडन चार्ज के नाम पर वसूली गई रकम पर किसी प्रकार की जीएसटी जमा नहीं कराई गई। इस मामले की शिकायत ग्राहकों ने रेरा और शासन से की थी। जिसके बाद राज्य कर विभाग के एसटीएफ को जांच सौंपी गई। जांच मिलने पर विभाग की टीमों ने गाजियाबाद, नोएडा और लखनऊ में एक साथ छापेमारी की थी।

बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी का पता चला

मिगसन ग्रुप की ब्रांचों पर करीब 12-घंटे की गहन छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं ने जीएसटी चोरी के 10 करोड़ रुपए से अधिक का मामला पाया। जीएसटी चोरी का मामला उजागर होने के बाद एसबीआई टीम ने बिल्डर कंप्यूटर की हार्डडिस्क, अहम दस्तावेज, लैपटॉप और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त कर लिए। छापेमारी के जवाब में, मिगसन समूह को अपनी विभिन्न शाखाओं में 10 करोड़ रुपए जमा कराने पड़े। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जब्त किए दस्तावेजों की विस्तृत समीक्षा के बाद ऑडिट कार्यवाही और समन जारी किए जाएंगे।

350 से अधिक फ्लैट अवैध

मिगसन कियाना में 350 से अधिक फ्लैट हैं। इसके अलावा नीचे फ्लोर पर दुकानें हैं। मिगसन कियाना को कई बार शेष धनराशि को जमा करने के लिए नोटिस जारी हो चुका है। लेकिन मिगसन ने प्रक्रियाएं पूरी नहीं की है। कुछ आवंटी ऐसे हैं जो बगैर रजिस्ट्री फ्लैटों में रहने लगे हैं। रजिस्ट्री नहीं होने पर उन्होंने आवास विकास के कार्यालय से लेकर यूपी आवास विकास के जनसुनवाई पोर्टल तक में शिकायत की है।

बिल्डरों ने दिखाया ठेंगा

बिल्डरों की धोखाधड़ी को रोकने के लिए गठित रियल स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (यूपी रेरा) के आदेशों को बिल्डर नहीं मान रहे हैं। बिल्डरों की धोखेबाजी की लिस्ट में मिगसन ग्रुप का भी नाम है। मिगसन ग्रुप के एक प्रोजेक्ट में वर्ष-2016 में फ्लैट बुक कराने वाले बॉयर्स को 9 साल बाद भी फ्लैट नहीं मिला है। मिगसन बिल्डर की धोखाधड़ी के शिकार बॉयर्स बिल्डर के खिलाफ गाजियाबाद और नोएडा मुकदमे भी दर्ज करा चुके हैं।

नारियल के छिलके से करोड़ों की कमाई करता है शख्स, तरीका जानकर हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या कोई नारियल के छिलके का चूरा बेचकर करोड़ों रुपये की कमाई कर सकता है? हां, ऐसा कर दिखाया है अनीस अहमद ने। अनीस बायोटेक्नोलॉजी में ग्रेजुएट हैं। वह ग्लोबल ग्रीन नाम से स्टार्टअप के फाउंडर हैं। उनका यह स्टार्टअप चेन्नई में है। उनके स्टार्टअप ने संदेश दिया है कि कोई भी चीज खराब नहीं होती। बशर्ते उसका सही इस्तेमाल किया जाए तब। हम नारियल के जिन छिलकों को बेकार समझकर फेंक देते हैं, अनीस के स्टार्टअप ने उन्हीं छिलकों से करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर दिया है।

साल 2014 में शुरू किया स्टार्टअप- अनीस की लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक उन्होंने अपना स्टार्टअप साल 2014 में शुरू किया था। उनका यह स्टार्टअप नारियल के छिलके से कोकोपीट तैयार करता है। इस कोकोपीट का इस्तेमाल कॉयर पॉट, ईट, ब्लॉक और ग्रो बैग बनाने में किया जाता है। यह मिट्टी का ही विकल्प है। इस कोकोपीट की विदेशों में काफी मांग है। नारियल के छिलकों से बना कोकोपीट पर्यावरण के अनुकूल रहता है। साथ ही अगर इसमें पौधा लगाया जाए तो उसकी ग्रोथ भी तेजी से होती है। इसे मिट्टी में मिलाया जाए तो यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है।

कितनी होती है कमाई?

अनीस का स्टार्टअप इस कोकोपीट को बेचकर सालाना 75 करोड़ रुपये की कमाई करता है। ये इस कोकोपीट को कई देशों में बेचते हैं। सबसे ज्यादा बिक्री यूरोप में होती है, क्योंकि वहां मिट्टी की उर्वरता काफी कम होती है।

ऐसे करते हैं तैयार

अनीस ने बताया कि उनकी कंपनी कोकोपीट में पोषक तत्व मिलाकर कस्टमाइज प्रोडक्ट भी तैयार करती है। कंपनी कोकोपीट तैयार करते समय उसमें मौजूद कई अशुद्धियों को दूर करती है। इसके लिए पहले इसे पानी में धोया जाता है। सारी अशुद्धियों को हटाने के बाद इसका चूरा बनाया जाता है। फिर चूरे से ब्लॉक, डिस्क और ग्रो बैग तैयार किया जाते हैं और इन्हें बेच दिया जाता है।

कैसे हुई शुरुआत?

अनीस को बचपन से ही प्रकृति और बागवानी का शौक था। वह अपने घर के पास के बगीचे में सब्जियां और फल उगाते थे। अनीस जहां रहते हैं, वहां नारियल की खेती काफी होती है। उनके पिता नारियल के कारोबार में थे। पिता के साथ उन्होंने भी नारियल की खेती के बारे में जानकारी ली। पढ़ाई के दौरान उन्होंने कोकोपीट के बारे में स्टडी की। इस दौरान उन्होंने पाया कि कई देश मिट्टी में पोषक तत्वों को बनाए रखने के लिए पीट मॉस का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसमें कई खामियां भी थीं। इससे मीथेन गैस निकलती है जो पर्यावरण के लिए घातक है।

Chartered Accountancy Foundation Results Expected Soon

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) is expected to release the results for the CA Foundation examination by first week of March, reports suggest. Once released, candidates will be able to check their results on the official website by using their login credentials. The ICAI CA results will be hosted on the official website- icai.org and icaiexam.icai.org. ICAI conducted the CA Foundation exam on January 12, 16, 18 and 20, 2025. Around 1,20,609 CA students appeared for their foundation exam in January this year. Last year, the ICAI announced the results of the Chartered Accountants Foundation examinations in December 2023/January 2024 on February 7, 2024. Meanwhile, the CA Foundation exams for May session will take place from May 15 to May 21. The CA Intermediate exams are scheduled from May 3 to May 14, while the CA Final exams will be conducted from May 2 to May 13. The online application process for the CA May 2025 exams will commence on March 1, 2025. Candidates can submit their applications without a late fee until March 14, 2025. After this, applications can still be submitted until March 17, 2025, but a late fee of Rs 600 or USD 10 will apply. Students who wish to change their examination city or medium for the CA May 2025 exams may do so during the correction window, which will be open from March 18 to March 20, 2025.

NMC Warns Against Fake Calls Impersonating Chairman Of Board

The National Medical Commission (NMC) has released a notification for safeguarding the public and medical colleges from fake calls that are circulating in the name of the commission. Warning medical colleges and stakeholders about fake calls, the board noted that certain individuals were making phone calls to medical college authorities impersonating as chairman or president of the board seeking money. NMC advises the medical colleges to not to get into such traps of impersonators as the authorities never seek monetary favours. Any medical college or individual coming across such incident should immediately report to the police, NMC said. An official notification by NMC noted, "It has come to the attention of NMC that certain individual(s) have been making phone calls to medical college authorities impersonating as chairman, MC / president of the Board(s) under the National Medical Commission (NMC) seeking money. Neither chairman, NMC nor president(s)/member(s) of various boards / secretary/authorities of NMC make such calls seeking monetary favours and heads / senior authorities of all medical colleges are advised not to get into such traps of impersonators and should immediately file an FIR / report to police authorities with details of such callers." "Further heads / senior authorities of all medical colleges are advised not to engage in any above conversation/communication with persons claiming to be from the National Medical Commission. Any individual taking cognizance or acting on such conversations/communications does so at their own risk," it added.

Admit Cards Out For National Institute Of Fashion Technology Entrance Exam

The National Testing Agency (NTA) has released the admit cards for the National Institute of Fashion Technology Entrance Examination (NIFTEE) 2025. Candidates who have registered for admissions to undergraduate (UG), postgraduate (PG) and PhD courses for the academic year 2025-26 can download the same from the official website: https://exams.nta.ac.in/NIFT/ and https://exams.nta.ac.in/NIFT/

They will be required to enter their login credentials such as application number and date of birth to download the admit cards. Candidates have already been informed about their examination city through City Intimation Slip hosted on the website https://exams.nta.ac.in/NIFT/ and https://exams.nta.ac.in/NIFT/

NTA will conduct the entrance examinations for UG and PG programmes (Regular and NLEA) for NIFT Admissions – 2025 UG (Bachelor of Design (B.Des.), Bachelor of Fashion Technology (B.F.Tech.), and PG Programmes (Master of Design (M.Des.), Master of Fashion Management (M.F.M.), Master of Fashion Technology (M.F.Tech.) (Regular) and NLEA (NIFT Lateral Entry Admission (NLEA)- B.Des., NIFT Lateral Entry Admission (NLEA)- B.F.Tech for NIFT Admissions – 2025) in around 92 centres located in 81 cities.

The exams will be held in Hindi and English mediums across India in Computer Based Test (CBT) / Paper Based Test (PBT) mode on February 9, 2025 for academic session 2025-26. The examinations for GAT (General Ability Test) will be conducted in Computer Based Test (CBT) mode and the examinations for CAT (Creative Ability Test) will be held in Pen and Paper Based Test (PBT) mode.

NEET PG 2024: SC issues notice to MCC to conduct fresh round 3 counselling

The Supreme Court has issued notice to the Medical Counselling Committee (MCC) on a plea seeking direction for the Committee to conduct afresh round three counselling for NEET PG 2024. The bench included Justices BR Gavai and K Vinod Chandran. The plea states that there have been instances of seat blocking by candidates following a delay in the completion of round two counselling in Madhya Pradesh. The petition filed by three NEET PG candidates in the Supreme Court contends that NEET PG AIQ round three counselling was "compromised" as it began before the completion of round two counselling in various states, particularly Madhya Pradesh. The petitioners have argued that because of such situations, a few state quota candidates — who otherwise would not be eligible – got to chance to block NEET PG AIQ seats while still securing better seats through state quota. They claim that such practice had put other meritorious candidates at a disadvantage.As reported by LiveLaw, the petitioners wanted to seek a direction for MCC to conduct a fourth round of counselling for vacant seats which were blocked by candidates earlier where NEET PG round two was not concluded.They also in their plea wanted an option for candidates who were eligible for AIQ round 3 to register for the NEET PG 2024 stray round of counselling..

NEET UG 2025 Registrations May Begin This Week

The National Testing Agency (NTA) will soon begin with the registration process for National Eligibility cum Entrance Test (NEET UG) 2025. Candidates who wish to appear in the exam can visit the official website of the agency for detailed information. As per previous trends, the registrations for the undergraduate medical exam will begin this week. Medical aspirants who would be appearing in the NEET-UG 2025 will not be required to use APAAR ID for registrations.

Revised paper format

NTA had earlier informed the medical aspirants about the revised paper format for National Eligibility cum Entrance Test-Undergraduate (NEET-UG). The new paper format will not have any Section B. The optional question and extra time that was introduced during the Covid period will also be removed from the 2025 exam. The total duration of the exam will be 180 minutes. There will be a total of 180 mandatory questions. Of these 45 questions each will be asked from Physics and Chemistry, while 90 questions will be from the Biology section.

NTA had earlier notified that the NEET UG 2025 will be held in pen and paper mode in a single day and single shift.

NEET UG is conducted for admission to undergraduate medical education in all medical institutions across the country. It serves as a gateway for admission to MBBS courses in AIIMS, New Delhi, JIPMER, and other government institutions. NEET 2025 score will be used for admission to courses, including MBBS, BDS, AYUSH, BSc Nursing, BVSc, and AH programmes.

बोर्ड परीक्षा की टेंशन में हो रहे हैं परेशान? बिना स्ट्रेस कम समय में खुद को ऐसे करें तैयार

बोर्ड परीक्षा में अब काफी कम समय बचे हैं। इस दौरान अगर आप भी तनावपूर्ण महसूस कर रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स और प्लानिंग के बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो करके आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कक्षा 10 और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी महीने में ली जाएंगी। डेटशीट के अनुसार, दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं 15 फरवरी 2025 से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षाएं 4 अप्रैल तक चलेंगी। इसके अलावा फरवरी से लेकर अप्रैल महीने तक अन्य राज्यों की बोर्ड परीक्षाएं भी खत्म हो जाएंगी।

कुछ स्टूडेंट्स तो एग्जाम की प्रिपरेशन सेशन की शुरुआत से ही अच्छी तरह करते हैं। वहीं, कुछ बच्चे अपनी जमकर तैयारी आखिरी के कुछ महीनों से करना शुरू कर देते हैं। तैयारी चाहें जितना भी कर लें, लेकिन बोर्ड परीक्षा का समय नजदीक आते ही छात्रों में तनाव बढ़ने लगता है। हालांकि सही रणनीति और बेहतर प्लानिंग से पढ़ाई करने के बाद, वे अपने एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं। यहां कुछ कारगर टिप्स बताए गए हैं, जिससे आपको कम समय में बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने में मदद मिल सकती है। बोर्ड एग्जाम 2025 की कम समय में ऐसे करें तैयारी

टाइम टेबल बनाकर फॉलो करें

बोर्ड एग्जाम के लिए आपके पास सिर्फ एक ही महीना बचा है। इस दौरान आपको जमकर तैयारी करने की जरूरत है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई पर फोकस करने की जरूरत है। एक प्रभावी टाइम टेबल का शेड्यूल बनाकर आप सभी विषयों को बराबर समय दें। इसमेंकठिन विषयों के लिए ज्यादा समय रखें और सरल विषयों को रिवीजन के लिए छोड़ दें। इसी रुटीन के साथ अपनी पढ़ाई शुरू कर दें। ध्यान रहे आपको सारे विषयों पर फोकस करना है। चाहे वह आसान हो या मुश्किल आपको सारे सब्जेक्ट पर अच्छी पकड़ बनाना जरूरी है, ताकि आप एग्जाम में अच्छी तरह से लिख सकें। पढ़ाई के साथ ब्रेक्स को भी जरूर शामिल करें।

शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई के साथ तय करें छोटे-छोटे लक्ष्य

बड़े टॉपिक्स को छोटे हिस्सों में बांट लें। रोजाना के लिए छोटे-छोटे टारगेट सेट करें और उन्हें पूरा करें। यह तरीका आपको विषयों को जल्दी कवर करने में मदद कर सकता है।शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई करने के साथ-साथ टॉपिक कवर करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य सेट करना बेहद जरूरी है।

रिवीजन पर दें जोर

पढ़ाई पूरी करने के बाद और शुरू करने से पहले रिवीजन जरूर करें।हर विषय का ज्यादा से ज्यादा रिवीजन करें। रिवीजन के लिए नोट्स और शॉर्टकट फॉर्मूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रिवीजन के दौरानमुश्किल टॉपिक्स को आसान भाषा में और शॉर्ट में लिखें।ये परीक्षा से पहले तेजी से रिवीजन के वक्त भी काम आ सकते हैं।

पुराने प्रश्न पत्र हल करें और प्रैक्टिस टेस्ट दें

पिछले सालों के बोर्ड एग्जाम के प्रश्न पत्रों को हल करें। इससे आपको परीक्षा के पैटर्न और कठिनाई स्तर का अंदाजा होगा। समय सीमा के अंदर प्रश्न पत्र हल करने की प्रैक्टिस करें। इसके अलावा, घर पर खुद के लिए मॉक टेस्ट सेट करें। इससे समय प्रबंधन और लिखने की गति में सुधार आने की संभावना बढ़ेगी।

परीक्षा के दिन के लिए खास टिप्स

परीक्षा से एक दिन पहले नई चीजें न पढ़ें। पहले जो भी पढ़ा है उसे बस एक बार रीड करके रिवीजन कर लें।समय से सो जाएं और मानसिक शांति बनाए रखें। परीक्षा हॉल में सवालों को ध्यान से पढ़ें और समय का सही इस्तेमाल करें।

फ्यूचर है प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री, खोजें करियर के छिपे हुए अवसर

आज के समय में लोग वीगन हो रहे हैं या फिर प्लांट-बेस्ड फूड की तरफ उनका झुकाव काफी बढ़ने लगता है। ऐसे में प्लांट बेस्ड फूड इंडस्ट्री में करियर की ढेरों संभावनाएं पैदा हुई हैं। भारत में प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री काफी तेज़ी से बढ़ रही है। आज के समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि कई दिग्गज सेलेब्स भी प्लांट बेस्ड फूड के फायदों को समझने के साथ-साथ उसे अपनाने लगी है। जैसे-जैसे ज़्यादा से ज़्यादा लोग अपनी हेल्थ से लेकर पर्यावरण के बारे में जागरूक हो रहे हैं, प्लांट-बेस्ड विकल्प हर जगह उभर रहे हैं। आज के समय में प्लांट-बेस्ड डेयरी से लेकर स्नैक्स और मील तक, लोग कई चीजों की डिमांड करने लगे हैं। जिसकी वजह से इस फील्ड में करियर के कई नए ऑप्शन खुले हैं।

आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट से लेकर मार्केटिंग और फूड टेक्निक तक में अपने लिए करियर की नई संभावनाएं खोज सकते हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जिसकी आने वाले समय में भी काफी डिमांड रहेगी। प्लांट-बेस्ड क्रांति अभी शुरू ही हुई है, इसलिए अभी इस फील्ड में बहुत ज्यादा स्कोप है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप कहां-कहां करियर ऑप्शन की तलाश कर सकती हैं-

प्रोडक्ट डेवलपमेंट

प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट फील्ड में भी करियर बन सकते हैं। इसमें आपको एनिमल बेस्ड फूड के बेहतरीन अल्टरनेटिव देंगे, जो प्लांट बेस्ड हो। आज के समय में लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाना चाहते हैं, लेकिन अपने टेस्ट बड के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं। इसलिए, वे प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट की तलाश करते हैं। ऐसे में आप किसी बड़ी कंपनी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर खुद का स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। इस फील्ड में अपने कदम जमाने के लिए आपको फूड साइंस से लेकर प्लांट बेस्ड इंग्रीडिएंट की अच्छी समझ होनी चाहिए।

न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग

आप चाहे तो न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग की फील्ड में भी अपना करियर बना सकते हैं। आज के समय में प्लांट बेस्ड डाइट में स्पेशलाइजेशन रखने वाले न्यूट्रिशनिस्ट की काफी डिमांड है। आप भी इसमें स्पेशलाइजेशन करके लोगों या किसी बिजनेस को प्लांट बेस्ड लाइफस्टाइल पर स्विच करवाने में मदद कर सकते हैं। चूंकि आज के समय में अधिक से अधिक लोग प्लांट बेस्ड डाइट चुन रहे हैं, इसलिए पर्सनलाइज्ड न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की डिमांड भी काफी बढ़ रही है। करियर बनाने के लिए जरूरी बातें आप ध्यान रखते हैं, तो आपकी लाइफ अच्छी रहेगी।

सेल और बिजनेस डेवलपमेंट

अगर आपमें मार्केटिंग स्किल्स भी हैं और आप लोगों से संबंध बनाने में अच्छे है तो आप सेल और बिजनेस डेवलपमेंट की फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। इसमें आप प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट के लिए एक नई मार्केट खड़ी करने में अपने स्किल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाने में इच्छुक होने लगे हैं, लेकिन फिर भी यह फूड इंडस्ट्री अभी काफी नई है, इसलिए इस बारे में जानकारी फैलाने और एक मार्केट बिल्ड करने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है।

फूड जर्नलिज्म और कंटेंट क्रिएशन

अगर आपको प्लांट बेस्ड फूड खाने के साथ लिखने का भी शौक है, तो आप प्लांट बेस्ड फूड्स से लेकर नई तरह की डिशेज आदि के बारे में लिख सकते हैं या फिर नए ट्रेन्ड्स के बारे में लोगों को बता सकते हैं। आप ना केवल अलग-अलग पब्लिकेशन के लिए लिख सकते हैं, बल्कि फूड ब्लॉगिंग कर सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल खोल सकते हैं। जैसे-जैसे आप लोगों को प्लांट बेस्ड डाइट से जुड़ी नई जानकारियां और डिशेज आदि के बारे में बताते हैं, लोग आपसे जुड़ते चले जाते हैं। इससे आपको पैसे के साथ-साथ पब्लिसिटी भी मिलती है।

पॉडकास्टिंग में करियर शुरू करने से पहले जान लें ये चार टिप्स, मिलेगी अपार सफलता

आज के समय में पॉडकास्टिंग का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है और लोग इसे सिर्फ शौक के लिए ही नहीं करते हैं, बल्कि अब इस फील्ड को एक करियर ऑप्शन के रूप में देखा जाने लगा है। जहां पर आप अपनी क्रिएटिविटी को एक नए अंदाज में लोगों के सामने पेश कर सकते हैं और पैसे के साथ-साथ अच्छा-खासा नाम भी कमा सकते हैं। यह एक ऐसी दुनिया है, जिसमें आपको यकीनन काफी मजा आने वाला है।

यूं तो इसके लिए किसी प्रोफेशनल कोर्स की जरूरत नहीं होती है और आज के समय में बहुत से लोग इस फील्ड में काम कर रहे हैं। लेकिन एक सफल पॉडकास्ट बनाने के लिए आपको अपनी मेहनत, समय और क्रिएटिविटी को इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन एक बार जब आप लोगों को पसंद आने लगते हैं तो लोग आपका वास्तव में इंतजार करना शुरू कर देते हैं। पॉडकास्टिंग के फील्ड में सफल करियर बनाने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना जरूरी है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

तय करें एरिया

अगर सच में आप पॉडकास्टिंग फील्ड में अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप सबसे पहले किसी एक फील्ड को चुनें। पॉडकास्टिंग फील्ड बहुत बड़ी है, ऐसे में आप हर फील्ड को नहीं चुन सकते। फिर चाहे वह फ़िटनेस हो, टेक हो या स्टोरीटेलिंग हो, आप किसी एक ऐसे एरिया को चुनें, जो आपको काफी अच्छा लगता है। अगर आप कोई खास क्षेत्र चुनते हैं, तो इससे आपको एक खास ऑडियंस को आकर्षित करने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं, इससे आप समय के साथ विषय के एक्सपर्ट कहलाने लगते हैं, जिससे कहीं ना कहीं आपकी विश्वसनीयता भी बढ़ती है।

रहें कंसिस्टेंट

जब आप पॉडकास्ट शुरू कर रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप कंसिस्टेंसी बनाए रखें। चाहे आप सप्ताह में या फिर पन्द्रह दिन में अपलोड करें, लेकिन शेड्यूल पर टिके रहें। इससे ऑडियंस के साथ एक विश्वास बनता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि उन्हें कब नया कंटेंट देखने को मिलेगा। साथ ही, अगर उन्हें आपका काम पसंद आता है तो वे आपके अगले एपिसोड का इंतजार भी करते हैं।

ऑडियंस को भी करें शामिल

पॉडकास्टिंग का मतलब सिर्फ अपनी बात को कह देना ही नहीं है, बल्कि आपको अपने श्रोताओं के साथ भी एक रिलेशन बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए उन्हें एंगेज करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप उनके कमेंट का जवाब दें, फ़ीडबैक मांगें और उन्हें अपने एपिसोड में शामिल करें। चाहे सोशल मीडिया के ज़रिए हो या ईमेल के ज़रिए, ऑडियंस की भागीदारी से एक कम्युनिटी बिल्डअप करने में मदद मिलती है। साथ ही साथ, जब आप अपनी ऑडियंस से फीडबैक लेते हैं तो इससे आपको अपने कंटेंट को और भी ज्यादा बेहतर बनाने में मदद मिलती है, क्योंकि आपको यह समझ में आता है कि लोगों को ज्यादा क्या पसंद आता है।

कंटेंट पर करें फोकस

अगर आप सच में अपने पॉडकास्ट चैनल को समय के साथ आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं तो इसके लिए कंटेंट पर फोकस करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप किसी भी एपिसोड से पहले उसके कंटेंट पर खासा काम करें। इसके लिए आप अच्छी तरह से रिसर्च जरूर करें। ध्यान रखें कि अच्छा कंटेंट ही ऑडियंस को बार-बार वापस आने के लिए मजबूर करता है। इतना ही नहीं, जब आप अपने पॉडकास्ट कंटेंट पर मेहनत करते हैं तो इससे आप बाकी सभी चैनल से कुछ अलग व नया करते हैं, जो लोगों को काफी पसंद आता है।

साइकोलॉजी के फील्ड में बनाना है करियर तो इन ऑप्शन्स को करें एक्सप्लोर

साइकोलॉजी एक ऐसी फील्ड है, जो बेहद ही एक्साइटिंग है। इसमें आप लोगों की सोच और उनके व्यवहार को गहराई से समझने की कोशिश करते हैं। साथ ही साथ, उनके मेंटल हेल्थ स्ट्रगल्स को भी ठीक करने में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। यह फील्ड बहुत ही वर्सेटाइल है, जिसमें आप क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से लेकर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट तक कई तरह की फील्ड को चुन सकती हैं और अपने करियर को आगे बढ़ा सकती हैं। इस फील्ड में आप अपनी पसंद व प्राथमिकताओं के आधार पर आगे बढ़ सकते हैं। फिर चाहे आप लोगों के साथ आमने-सामने काम करना पसंद करते हों या रिसर्च करना चाहते हों या फिर एथलीट्स को उनका बेस्ट देने में मदद करना चाहते हों, साइकोलॉजी में आपके पास ऑप्शन्स की कोई कमी नहीं है।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से लोगों की मेंटल हेल्थ कंडीशन को बेहतर बनाने पर काम करते हैं। वे एंग्जाइटी से लेकर सिज़ोफ्रेनिया जैसी गंभीर मेंटल हेल्थ प्रोब्लम्स से निपटने में मदद करते हैं। वे खुद का क्लिनिक खोलकर अकेले भी काम कर सकते हैं या फिर हॉस्पिटल्स में अपनी सर्विसेज दे सकते हैं। अगर आपको लोगों की मदद करना अच्छा लगता है तो आप बतौर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट

यदि आपको बच्चों के साथ काम करना पसंद है, तो स्कूल साइकोलॉजी में करियर बनाना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। स्कूल साइकोलॉजिस्ट एक लाइसेंस मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स होते हैं और वे बच्चों से लेकर टीचर्स और पैरेंट्स की एकेडमिक, सोशल और इमोशनल जरूरतों को समझते हुए उन्हें पूरा करने में मदद करते हैं। वे टीचर्स और पैरेंट्स के साथ मिलकर बच्चों की ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए स्ट्रैटेजी बनाते हैं।

फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट

साइकोलॉजी के फील्ड में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट बनना भी एक अच्छा विचार हो सकता है। वास्तव में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट लीगल सिस्टम के साथ काम करते हैं और उन्हें अपराधी के व्यवहार को समझने में मदद करते हैं। यहां तक कि क्रिमिनल इनवेस्टिगेशन में भी मदद करते हैं। इस तरह वे साइकोलॉजी को कानून के साथ जोड़ने की एक कड़ी के रूप में काम करते हैं।

स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट

अगर आप खेलों में रुचि रखते हैं और यह जानना पसंद करते हैं कि माइंड परफार्मेंस को कैसे प्रभावित करता है, तो स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एक बेहतर फील्ड हो सकता है। यह एक उभरता हुआ फील्ड है, जिसमें प्रोफेशनल एथलीट्स को उनकी परफार्मेंस बेहतर बनाने से लेकर प्रेशर से डील करने और इंजरीज को रिकवर करने के लिए मेंटल स्ट्रैटेजी पर फोकस करते हैं।

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट एक्सपेरिमेंट्स से लेकर डेटा के साथ काम करना पसंद करते हैं। ये साइकोलॉजिस्ट यूनिवर्सिटीज, रिसर्च इंस्टीट्यूट्स या फिर प्राइवेट सेक्टर्स में काम करते हैं। वे ये समझने के लिए अध्ययन करते हैं कि व्यक्ति कैसे सोचते हैं, महसूस करते हैं और व्यवहार करते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी का आखिरी मौका

इंग्लैंड से 3 वनडे खेलेगा भारत, क्या रोहित-कोहली का फॉर्म लौटेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड को एकतरफा अंदाज में टी-20 सीरीज हराने के बाद टीम इंडिया अब 3 वनडे की सीरीज खेलेगी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए भारत के पास यही आखिरी मौका है। इसी में भारत को अपनी प्लेइंग-11 फाइनल करनी है और टूर्नामेंट के लिए स्ट्रैटजी भी बनानी है। टीम इंडिया को टूर्नामेंट से पहले कई सवालों के जवाब ढूंढने हैं। जैसे कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का फॉर्म लौटेगा या नहीं? जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की फिटनेस भी चिंता की बात है। अगर दोनों कम्प्लीट रिदम में बॉलिंग नहीं कर पाए तो उनकी कमी कौन पूरी करेगा?

क्या फॉर्म में लौटेंगे कोहली-रोहित?

टीम इंडिया के सीनियर बैटर विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद से कोहली एक ही सेंचुरी लगा सके, वहीं रोहित एक भी शतक नहीं लगा पाए। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ 3 वनडे में जरूर फिफ्टी लगाई, लेकिन दोनों ही प्लेयर्स टेस्ट फॉर्मेट में फ्लॉप रहे। आईसीसी के बड़े वनडे टूर्नामेंट से पहले दोनों सीनियर प्लेयर्स का आउट ऑफ फॉर्म होना चिंता की बात है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी दोनों ज्यादा रन नहीं बना सके थे, वहीं रणजी ट्रॉफी में भी दोनों बैट से फ्लॉप ही रहे। ऐसे में इंग्लैंड से वनडे सीरीज दोनों सीनियर बैटर्स के लिए बड़े टूर्नामेंट के लिए फॉर्म पाने का आखिरी मौका है।

वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरुष चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए अबूझ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। वरुण ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में कुल 14 विकेट लिए, जिसमें 5 मैचों की टी20 सीरीज में राजकोट में पांच विकेट शामिल हैं। वह अपने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। वरुण नागपुर में होने वाले पहले वनडे के लिए टीम में शामिल हुए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

फुटबॉलः

भारतीय गोलकीपर सोम स्लोवेनियाई क्लब एनके राडोमल्जे में हुए शामिल

बंगलूरू, एजेंसी। छह फीट तीन इंच लंबे सोम पिछले सत्र में इंडियन सुपर लीग क्लब केरला ब्लास्टर्स का हिस्सा थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अवसरों की तलाश में आपसी सहमति से टीम से अलग हो गए। युवा भारतीय गोलकीपर सोम कुमार स्लोवेनियाई फुटबाल की शीर्ष स्तरीय लीग प्रावा लीगा के क्लब एनके राडोमल्जे से जुड़ गए हैं। यह 19 वर्षीय सोम के करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि वह वर्तमान में यूरोप में पेशेवर अनुबंध हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय फुटबालर बन गए हैं।

छह फीट तीन इंच लंबे सोम पिछले सत्र में इंडियन सुपर लीग क्लब केरला ब्लास्टर्स का हिस्सा थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अवसरों की तलाश में आपसी सहमति से टीम से अलग हो गए। सोम ने 2024 में भारत वापस आने से पहले स्लोवेनिया में चार साल बिताए थे। इस कदम के बारे में सोम ने कहा, मैं एनके राडोमल्जे में शामिल होने और अपने कॅरिअर में यह अगला कदम उठाने के लिए रोमांचित हूं। शीर्ष स्तरीय यूरोपीय लीग में खेलना किसी भी भारतीय के लिए एक सपना सच होने जैसा है और मैं स्लोवेनिया वापस जाने के लिए उत्साहित हूं। सीखने, प्रगति करने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। मैं ट्रेनिंग के दौरान टीम से मिलने के लिए उत्सुक हूं।

टेनिसः

15 साल की माया मुंबई ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, बेलारूस की श्यामनोविच को हराया

मुंबई, एजेंसी। भारत की उभरती हुई टेनिस खिलाड़ी 15 वर्षीय माया राजेश्वरन रेवती ने मंगलवार को एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेलारूस की इरिना श्यामनोविच को सीधे सेटों में हराकर अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की की। माया ने शानदार परिपक्वता दिखाते हुए अपने से अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी। वाइल्ड कार्ड धारक भारतीय खिलाड़ी अंकिता रैना ने हमवतन वैष्णवी अडकर पर दबदबा बनाते हुए 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। भारत की श्रीवल्ली भामिदिपति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की एलेना प्रिडांकिना को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराया। स्लोवाकिया की तीसरी वरीयता प्राप्त अन्ना कैरोलिना श्मीडलोवा ऑस्ट्रेलिया की टीना स्मिथ की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रही। श्मीडलोवा ने पहला सेट गंवाने के बाद 6-7, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। जापान की माई होनटामा ने छठी वरीयता प्राप्त हमवतन नाओ हिबिनो को कड़े मुकाबले में 7-6, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

बैडमिंटनः

एकल छोड़ मिश्रित युगल में सफलता हासिल कर रहे सतीश और आद्या

नई दिल्ली, एजेंसी। चार फरवरी 2023 को सतीश और आद्या ने ईरान इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीता। इसके ठीक एक साल बाद इस जोड़ी ने मंगलवार को देहरादून में राष्ट्रीय खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। क्या होता है जब दो एकल खिलाड़ी युगल में एक साथ खेलते हैं? इसका फायदा भी हो सकता है और नुकसान भी लेकिन सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियथ के लिए यह कदम शानदार साबित हुआ क्योंकि वे अब भारतीय बैडमिंटन की शीर्ष मिश्रित युगल जोड़ी हैं। सतीश और आद्या की जोड़ी 2023 में विश्व रैंकिंग में 432वें स्थान से डेढ़ साल के भीतर 33वें स्थान पर पहुंच गई। चार फरवरी 2023 को सतीश और आद्या ने ईरान इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीता। इसके ठीक एक साल बाद इस जोड़ी ने मंगलवार को देहरादून में राष्ट्रीय खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। तमिलनाडु के सतीश ने इसके बाद उत्तराखंड के सूर्याक्ष रावत को 21-17, 21-17 से हराकर पुरुष एकल का भी स्वर्ण पदक जीता। सतीश और आद्या ने इसके अलावा अजरबेजान और युगांडा में खिताब जीते लेकिन पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहे। पिछले साल अप्रैल से दोनों मलयेशियाई कोच जीवननाथन नायर के मार्गदर्शन में क्वालालंपुर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। हालांकि वीजा सीमाओं के कारण वे वहां एक महीने से अधिक नहीं रह सकते जिसका अर्थ है कि उन्हें अक्सर यात्रा करनी पड़ती है। तैराक के रूप में शुरुआत करने के बाद अपने बड़े भाई अरुण कुमार को देखकर 12 साल की उम्र में बैडमिंटन की ओर रुख करने वाले सतीश ने हाल ही में कहा कि हम केवल डेढ़ साल से साथ हैं। भारत में मेरी कुछ पारिवारिक समस्याएं थी इसलिए मुझे मलयेशिया जाना पड़ा। आद्या ने कहा, इसलिए पिछले अप्रैल से हमने क्वालालंपुर में प्रशिक्षण लेने की कोशिश की है। यदि दो सप्ताह से अधिक की ट्रेनिंग होती है तो हम क्वालालंपुर जाते हैं। अन्यथा, हम भारत के किसी एक केंद्र में एक सप्ताह की ट्रेनिंग करते हैं। तेइस वर्षीय आद्या ने कहा कि वे दीर्घकालिक वीजा के लिए प्रयास कर रहे हैं जिससे कि वे बार-बार यात्रा करने की चिंता किए बिना मलयेशिया में ट्रेनिंग कर सकें।

बहन जान्हवी से पूछे बिना कोई काम नहीं करती खुशी कपूर

खुशी कपूर और जुनैद खान की जोड़ी फिल्म लवयापा में नजर आने वाली है। इस फिल्म की रिलीज से पहले दोनों अभिनेता इसके प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म प्रमोशन के लिए जुनैद खान और खुशी कपूर भारती सिंह के पॉडकास्ट में भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फिल्म के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी बहुत सी बातें की हैं। खुशी कपूर ने पॉडकास्ट में बताया कि वे अपनी बहन जान्हवी कपूर से पूछे बिना कुछ भी काम नहीं करती हैं, जब बहन का अप्रूवल मिल जाता है, तब ही वे काम शुरू करती हैं। यहां तक की खुशी कपूर की स्टाइलिंग भी उनकी बहन ही करती हैं। खुशी कपूर ने बताया वे केरल में अपनी किसी फिल्म की शूट में बिजी हैं, वे एक दिन के लिए मुंबई आएंगी और फिल्म देखकर वापस चली जाएंगी।

पिता ने कही ये बात

खुशी कपूर ने बताया कि उनके पिता ने भी इस फिल्म के लिए उन्हें बहुत सपोर्ट किया है। उनके पिता ने ही उन्हें ओरिजनल तमिल फिल्म देखने के लिए कहा है। खुशी ने कहा कि उनके पिता बोनी कपूर उन्हें हर काम में सपोर्ट करते हैं। खुशी ने पॉडकास्ट में बताया कि अब उन्हें इंतजार है कि कब सब लोग उन्हें फोन करके कहें कि वाह खुशी ने क्या काम किया है।

500 फाइटर्स आएंगे नजर

कांतारा चैप्टर 1 में देखने को मिलेगा बड़ा वॉर सीन

होम्बले फिल्म्स की आने वाली फिल्म कंतारा- चैप्टर 1 का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले आया इस फिल्म का पार्ट लोगों को काफी पसंद आया था और बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई भी की थी।

अब कंतारा- चैप्टर 1 को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। 2022 में रिलीज़ हुई कांतारा ने सबसे बड़ी स्लीपर हिट का दर्जा हासिल किया था, नए रिकॉर्ड बनाते हुए एक अलग ही स्टैंडर्ड सेट किया। अब कंतारा- चैप्टर 1 उस धरोहर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार है। ऐसे में फिल्म मेकर इस बार भी दर्शकों को एक असाधारण सिनेमाई अनुभव देने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं।

फिल्म में होगा बड़ा वॉर सीनः इसके फर्स्ट पोस्टर में ऋषभ शेट्टी का बिल्कुल नया लुक दिखाया गया है। अब मेकर्स एक जोरदार वॉर सीन लाने वाले हैं, जिसके लिए उन्होंने 500 से ज्यादा माहिर फाइटर्स को बुलाया है। ये एक्शन के माहिर लोग मिलकर एक ऐसा वॉर सीक्वेंस तैयार करेंगे, जो न सिर्फ पहली बार देखा जाएगा, बल्कि देखने में भी बेहद शानदार होगा।

मेकर्स ने बताया, होम्बले फिल्म्स कंतारा- चैप्टर 1 के लिए पूरी तरह से जुट गई है और इस बार 500 से ज्यादा प्रोफेशनल फाइटर्स को एक साथ लाकर ऐसा वॉर सीन बनाया जा रहा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया है।

एक्शन कोरियोग्राफी के एक्सपर्ट्स इसे परफेक्ट बनाने में लगे हुए हैं और यह सिनेमाई अनुभव कुछ अलग ही होने वाला है, जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने नहीं दिया एक भी सवाल का जवाब, चुनावी स्पीच दी: विपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में मंगलवार को प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषण को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस सहित कई विपक्षी पार्टियों ने इस भाषण को 'चुनावी भाषण' का नाम दिया है। विपक्ष ने आरोप लगाए हैं कि पीएम मोदी ने विपक्ष द्वारा उठाए गए किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लिया। इस दौरान सदन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए विपक्षी पार्टियों पर निशाना भी साधा। पीएम के संबोधन के बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उनके भाषण से ऐसा प्रतीत हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी जनता और उनकी जरूरतों से कट चुके हैं। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, ''मुझे प्रधानमंत्री के भाषण से हैरानी हुई क्योंकि यह एक चुनावी भाषण था। कल दिल्ली में चुनाव है। उन्होंने सरकार के कामों की सूची बताई है। हम सभी जानते हैं कि विपक्ष ने कई आलोचनाएं की थीं, लेकिन प्रधानमंत्री ने इनका जवाब नहीं दिया।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को राजनीतिक टिप्पणी से बचना चाहिए था क्योंकि यह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा थी। इस बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के दौरान महाकुंभ की भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख भी नहीं जताया, जो अफसोस की बात है। उन्होंने कहा, ''बहुत अफसोस की बात है कि कुंभ में इतनी बड़ी घटना घट गई। सरकार पहले मरने वालों के आंकड़े छिपा रही थी। आज शोक भी नहीं जताया गया।'' अखिलेश यादव ने आगे कहा, ''इस बात की चिंता है कि देश खिलौने बनाएगा, लेकिन इतने लोगों की जान गई फिर भी कोई दुख नहीं जताया गया।'' वहीं तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत रॉय ने भी प्रधानमंत्री पर किसी सवाल का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बावजूद नहीं थम रहीं सीवर में मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश से लेकर राजस्थान और राजधानी दिल्ली तक से अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं.बीते सप्ताह कोलकाता में तीन मजदूरों की मौत इसकी ताजा कड़ी हैसुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बावजूद देश में सीवरों की मैनुअल सफाई के दौरान होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है.हाल ही में देश के सर्वोच्च न्यायालय ने छह शहरों - दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद - में सीवरों की मैनुअल सफाई और सिर पर मैला ढोने की प्रथा पर पाबंदी लगा दी थी और सरकार से 13 फरवरी तक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया था.लेकिन उसके महज तीन दिनों बाद ही कोलकाता की घटना ने सरकार की इच्छाशक्ति पर सवाल खड़ा कर दिया है.केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2019 से 2023 यानी पांच वर्षों के दौरान देश में ऐसी घटनाओं में 377 मजदूरों की मौत हुई थी.लेकिन सफाई कर्मचारी संगठनों के मुताबिक यह आंकड़ा छह सौ से ज्यादा होने का अनुमान है.दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाईसुप्रीम कोर्ट की ओर से मैनुअल सफाई पर पाबंदी के निर्देश की अनदेखी करते हुए कोलकाता नगर निगम ने लेदर कांप्लेक्स में तीन मजदूरों को सीवर की सफाई के लिए काम पर लगाया था.पहले एक मजदूर नीचे उतरा.लेकिन काफी देर तक उसके वापस नहीं आने के बाद दो और मजदूर सीवर में उतरे.कुछ देर बीतने के बाद उनकी तलाश शुरू की गई.करीब चार घंटे बाद उनके शव बरामद किए गए.सुप्रीम कोर्टराज्य सरकार ने मृत मजदूरों के परिजनों को 10-10 लाख का मुआवजा देने का एलान किया है.लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों में 30 लाख के मुआवजे की बात कही थी.सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन न्यायाधीश एस.रवींद्र भट्ट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने वर्ष 2023 में अपने एक फैसले में कहा था कि सीवर की सफाई के दौरान मजदूरों की मौत की स्थिति में केंद्र या राज्य सरकार को 30-30 लाख का मुआवजा देना होगा. इसके अलावा स्थायी रूप से विकलांग होने वालों को 20 लाख देना होगा।

दिल्ली में बारिश के बाद भी बढ़ा पारा, इसी हफ्ते आएगा दूसरा पश्चिमी विक्षोभ

11 फरवरी तक कैसा रहेगा मौसम का मिजाज

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन तापमान पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही तापमान सामान्य से ज्यादा रिकॉर्ड किए गए। दिल्ली में इस बार जनवरी का महीना सामान्य से ज्यादा गर्म रहा। अब फरवरी में भी मौसम का यही रुख देखने को मिल रहा है।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से सफदरजंग, पालम, लोधी रोड, रिज और आयानगर मौसम केन्द्र में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई है। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.4 डिग्री ज्यादा है। आर्द्रता का स्तर 95 से 49 फीसदी तक रहा। बुधवार सुबह हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा दिख सकता है। दिनभर धूप रहने से अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा रह सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान

(आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा, बारिश पश्चिमी विक्षोभ की वजह से हुई है, जिसके कारण बुधवार तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 8 फरवरी से क्षेत्र में दूसरे पश्चिमी विक्षोभ के आने की उम्मीद है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण पूर्वी दिशा से गर्म हवाएं चलती हैं, जिससे आसमान में बादल छाए रहते हैं और अक्सर रात में गर्मी का अहसास होता है। इससे न्यूनतम तापमान बढ़ जाता है, लेकिन दिन में ठंडक बनी रहती है।

पिछले 24 घंटों में दिल्ली के न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जो सामान्य से काफी ऊपर है। शहर में धुंध भी छाई रही और 10-12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। बुधवार को सुबह 6 किमी प्रति घंटे से कम स्पीड वाली उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलेंगी। कई स्थानों पर मध्यम और कुछ स्थानों पर घना कोहरा रहेगा।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे। गुरुवार और शुक्रवार को आसमान साफ रहेगा। शनिवार को दूसरा पश्चिमी विक्षोभ दस्तक देगा। जिससे बादल छाए रह सकते हैं। रविवार को बादलों की आवाजाही रहेगी। सोमवार को भी बादल छाए रहेंगे।

टीएमसी की बड़ी मांग, कहा- पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर बांग्ला किए जाने को मंजूरी दे केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर बांग्ला करने की मांग करते हुए कहा कि यह नाम राज्य के इतिहास और संस्कृति को प्रतिबिंबित करता है. राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए तृणमूल नेता रीताब्रत बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने जुलाई 2018 में सर्वसम्मति से राज्य का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया था, लेकिन केंद्र ने अभी तक इसे मंजूरी नहीं दी है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि नामकरण राज्य के इतिहास, संस्कृति और पहचान से मेल खाता है और यहां के लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित भी करता है.

1947 में बंगाल हुआ था विभाजितत्न: वर्ष 1947 में बंगाल को विभाजित किया गया. भारतीय हिस्से को पश्चिम बंगाल कहा गया और दूसरे हिस्से का नाम पूर्वी पाकिस्तान रखा गया. 1971 में पूर्वी पाकिस्तान ने स्वतंत्रता की घोषणा की और बांग्लादेश बना. बनर्जी ने कहा कि आज कोई पूर्वी पाकिस्तान नहीं है.

राज्य का नाम बदलने की जरूरत: उन्होंने कहा, हमारे राज्य का नाम बदलने की जरूरत है. पश्चिम बंगाल के लोगों के जनादेश का सम्मान किए जाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई शहरों के नाम परिवर्तित किए गए हैं. इनमें बॉम्बे शामिल है, जो 1995 में मुंबई में बदल दिया गया, 1996 में मद्रास को चेन्नई, 2001 में कलकत्ता को कोलकाता और 2014 में बैंगलोर से बेंगलुरु में बदल दिया गया.

बाली जात्रा को राष्ट्रीय उत्सव का दर्जा देने की मांग: इस बीच बीजेडी के देबाशीष सामंतराय ने बाली जात्रा को राष्ट्रीय उत्सव का दर्जा देने की मांग की. यह उत्सव महानदी नदी के तट पर हर साल मनाया जाता है, यह उस समय को चिह्नित करता है, जब राज्य के नाविक व्यापार और संस्कृति के विस्तार के लिए प्राचीन काल में इंडोनेशिया के बाली, सुमात्रा और जावा, बोर्नियो और श्रीलंका की यात्रा पर निकलते थे. इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले ने मांग कि पेट्रोल में सस्ते इथेनॉल का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए, जबकि उनकी पार्टी की सहयोगी सुष्मिता देव चाहती थीं कि असम में बराक नदी की सफाई की जाए और जलमार्ग का उपयोग माल की आवाजाही के लिए किया जाए.

दिल्ली में कांग्रेस चौंकाने वाली है; वोटिंग के बाद अभिषेक सिंघवी का दावा, सीटों के सवाल पर किनारा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदान जारी है। सुबह 7 बजे से शुरू हुई वोटिंग शाम 6 बजे तक चलेगी। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने भी लंबे समय बाद दिल्ली में वोटिंग की। सिघंवी ने बताया कि मैं लंबे समय बाद दिल्ली में वोट डाल रहा हूं, पहले मेरा वोट जोधपुर में था जिसे मैंने इस बार दिल्ली ट्रांसफर कराया है। बातचीत के दौरान अभिषेक सिंघवी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस नतीजों में चौंका सकती है, हालांकि पार्टी को कितनी सीटें आएंगी,इसपर उन्होंने न बोलना ही बेहतर समझा।

चौथी बार सांसद बने अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है कि लंबे समय बाद दिल्ली में वोट डाल रहा हूँ। मेरा वोट जोधपुर में था, लेकिन अब मैंने इसे दिल्ली में ट्रांसफर करवा लिया है। वोटिंग बहुत अच्छे से चल रही है और पोलिंग बूथों पर मतदाताओं का सम्मान और आदर के साथ स्वागत किया जा रहा है। वोट देने

का अधिकार संविधान में सबसे बड़ा अधिकार है। मैं उन सभी संगठनों और कर्मचारियों को बधाई देता हूँ जो 12 घंटे काम करेंगे।

वोट डालने के बाद उनसे कांग्रेस कती सीटों और प्रदर्शन पर सवाल पूछा गया। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि दिल्ली का मतदाता समझदार है। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी। सीटों से जुड़े सवाल पर अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह समय इस बात का नहीं है, शाम तक वोटिंग हो जाएगी। मुझे लगता है दिल्ली का वोटर परिपक्व है, वह ऐसी सरकार चुनेगा जो उसकी दिक्कतों को दूर करे और जीवन में सकरात्मक प्रभाव लाए।

शत्रुघ्न सिन्हा ने यूसीसी को बताया देश की जरूरत, बोले- नॉनवेज भोजन पर भी लगे प्रतिबंध

नईदिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मंगलवार को देशभर में नॉनवेज भोजन पर प्रतिबंधन लगाने की मांग की। साथ ही उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की सराहना की है। हालांकि उन्होंने इसको लेकर अपनी चिंताएं भी जाहिर की हैं। उन्होंने कहा कि केवल गोमांस ही नहीं, बल्कि सामान्य रूप से सभी प्रकार के नॉनवेज भोजन पर देशभर में प्रतिबंध लगाना चाहिए।

टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करना प्रथम दृष्ट्या में सराहनीय है। देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए और मुझे यकीन है कि हर कोई मेरी बात से सहमत होगा। लेकिन इसमें कई बारीकियां और खामियां हैं। न केवल गोमांस, बल्कि सामान्य रूप से मांसाहारी भोजन पर भी देश में प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। लेकिन जो नियम उत्तर भारत में लागू किए जा सकते हैं, उन्हें पूर्वोत्तर राज्यों में लागू नहीं किया जा सकता।

लाइन में लगने की झंझट खत्म, ऑनलाइन बुक करें सूरजकुंड मेले के टिकट

नईदिल्ली, एजेंसी। अरावली की वादियों में अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले के आयोजित होने में अब तीन दिन शेष रह गए हैं। मेले के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। पर्यटक बुधवार से अपने नजदीकी मेट्रो स्टेशन से अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले के टिकट खरीद सकेंगे। बुधवार सुबह से सूरजकुंड मेले की वेबसाइट से बुक टिकट के विकल्प पर जाकर प्राप्त कर सकेंगे। बता दें, इस बार हरियाणा पर्यटन निगम ने टिकट की बुकिंग के लिए डीएमआरसी के साथ समझौता किया है।

अरावली की वादियों में अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेला सात से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। मेला परिसर परिवेश में ढालने के लिए तैयारियां अंतिम चरणों में चल रही है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र एवं छात्राएं थीम राज्य ओडिशा एवं मध्य प्रदेश की संस्कृति को मेला परिसर की दीवारों पर उकेरने का काम तेजी से कर रहे हैं। पर्यटक पहली बार मेले में फिश टनल देखेंगे। इसमें कई तरह की मछलियां भी रहेंगी। सुबह-शाम को मुख्य चौपाल, छोटी चौपाल और दिल्ली गेट की तरफ वाली चौपाल पर कार्यक्रमों को सूचीबद्ध किया गया है।

इस बार पर्यटकों को मेले की टिकट के लिए कतारों पर लगने की जरूरत नहीं होगी। हरियाणा पर्यटन निगम ने दिल्ली-एनसीआर के सभी मेट्रो स्टेशन पर मेले के टिकट बिक्री का काउंटर अलग बनाए गए हैं। बता दें, शनिवार और रविवार को अधिक पर्यटकों के आने से टिकट खरीदने वालों की लंबी कतार लगती है। इस बार ऐसा नहीं होगा। वहीं, पर्यटक डीएमआरसी मोमेंटम दिल्ली सारथी 2.0 ऐप से भी टिकट खरीद सकेंगे। मेला परिसर में पांच टिकट काउंटर बनेंगे। अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले के नोडल अधिकारी यूएस भारद्वाज का कहना है कि बुधवार की दोपहर तक ऑनलाइन टिकट बिक्री का विकल्प लाइव कर दिया जाएगा। कोई भी इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन टिकट बुक सकता है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर के सभी मेट्रो स्टेशनों पर भी टिकट उपलब्ध रहेंगे।

बांग्लादेश हाईकोर्ट ने यूनुस सरकार पर दिखाई सख्ती, पूछा- हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत क्यों न दें ?

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और सरकार से यह स्पष्टीकरण मांगा है कि चिन्मय कृष्ण दास को जमानत क्यों नहीं दी जानी चाहिए। यह जानकारी दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कोर्ट में दी। चिन्मय कृष्ण दास, जो बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता हैं, को राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का आरोप लगा था। इस मामले में बांग्लादेश हाईकोर्ट ने सरकार से दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर 2024 को ढाका हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद, उन्होंने चटगांव की एक निचली अदालत में जमानत याचिका दायर की, जिसे 2 जनवरी 2025 को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद, दास की कानूनी टीम ने हाईकोर्ट में 12 जनवरी को जमानत के लिए याचिका दायर की थी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से जमानत पर स्पष्टीकरण मांगा। वकील भट्टाचार्य ने यह भी बताया कि हाईकोर्ट केवल रविवार और सोमवार को मामलों की सुनवाई करता है, और उम्मीद जताई कि मामले की सुनवाई अगले सप्ताह हो सकती है। चटगांव में जमानत याचिका पर सुनवाई कड़ी सुरक्षा के बीच हुई थी, जहां सरकार की ओर से मेट्रोपॉलिटन पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एडवोकेट मोफिजुर हक भुइयां ने प्रतिनिधित्व किया था। इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास को कानूनी कार्यवाही के चलते हिरासत में रखा गया है। इससे पहले, 11 दिसंबर 2024 को बांग्लादेश की एक अदालत ने दास की प्रारंभिक जमानत याचिका को प्रक्रिया में खामी के कारण खारिज कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, याचिका में वैध पावर ऑफ अटॉर्नी और वकील की उपस्थिति की कमी के कारण इसे खारिज किया गया था। इसके अतिरिक्त, दास के वकील सुभाशीष शर्मा सुरक्षा कारणों से 3 दिसंबर 2024 की सुनवाई में शामिल नहीं हो सके थे, जिससे मामला और जटिल हो गया।

ब्रिटेन और डेनमार्क में जलाई गई कुरान की प्रतियां ! सलवान की हत्या बाद बढ़ा इस्लाम का विरोध

लंदन, एजेंसी। इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता सलवान मोमिका की हत्या बाद पूरे यकोप में इस्लाम विरोधी गतिविधियां फिर बढ़ गई हैं। ब्रिटेन और डेनमार्क में कुरान जलाने की घटनाओं ने मुस्लिम समुदाय में आक्रोश बढ़ा दिया है। मैनचेस्टर में एक 47 वर्षीय व्यक्ति को कुरान के पन्ने जलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि डेनमार्क में तुर्की दूतावास के बाहर पवित्र किताब को आग के हवाले किया गया। यह घटनाएं उस वक्त हुई हैं जब स्वीडन में इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता सलवान मोमिका की हत्या के महज दो दिन बीते थे।

ब्रिटिश पुलिस के मुताबिक, मैनचेस्टर में ग्लेड ऑफ लाइट मेमोरियल पर कुरान के पन्ने जलाने वाले 47 वर्षीय व्यक्ति को 'नस्लीय रूप से भड़काऊ सार्वजनिक अशांति' फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह स्मारक 2017 के मैनचेस्टर एरिना आतंकी हमले में मारे गए लोगों की याद में बनाया गया था। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 2¬45 बजे घटना के तुरंत बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि इस तरह की घटनाएं सांप्रदायिक तनाव को भड़का सकती हैं, इसलिए वह स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। तस्क्क की असिस्टेंट चीफ कॉन्स्टेबल स्टेफनी पार्कर ने कहा, हम जानते हैं कि यह घटना हमारे विविध समुदायों में चिंता और तनाव बढ़ा सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन इसका उपयोग अगर समाज में नफरत और अशांति फैलाने के लिए किया जाता है, तो यह स्वीकार्य नहीं होगा।

गूगल मैप पर दिख रहे एलियन बेस और रहस्यमयी स्थान व चीजें, फोटो कर देंगी हैरान

वाशिंगटन , एजेंसी। गूगल मैप्स और गूगल अर्थ पर अक्सर ऐसी अजीबोगरीब चीजें नजर आती हैं, जो रहस्य और साजिश के सिद्धांतों को जन्म देती हैं। कुछ लोगों को इनमें एलियन बेस दिखता है, तो कुछ इन्हें वैज्ञानिक घटनाएं मानते हैं। आइए नजर डालते हैं ऐसे ही कुछ रहस्यमयी स्थानों पर, जिनकी तस्वीरें गूगल मैप्स पर सामने आई।

अमेरिका के एरिजोना में गूगल मैप्स पर एक विशाल त्रिभुज नजर आया, जिसे देखकर लगा कि यह किसी क्षुद्रग्रह के टकराने से बनी संरचना हो सकती है। लेकिन असल में यह 1950 के दशक में बनाया गया एक पुराना वायुसेना अड्डा था, जिसे अब छोड़ दिया गया है। फ्लोरिडा में एक झील के अंदर डूबी कार गूगल मैप पर दिखी, जिससे 22 साल पुराना रहस्य उजागर हो गया। यह कार 1997 से लापता विलियम मोल्ड्ट की थी, जो एक नाइट क्लब से गायब हो गया था। जब जांच की गई तो कार के अंदर उसका कंकाल मिला, जिससे इस गुमशुदगी की गुत्थी सुलझी।

दक्षिण अमेरिका में 2018 में गूगल मैप्स पर एक गोल घूमती हुई आकृति दिखी, जिसे लोग रहस्यमयी आंख कहने लगे। पहले इसे यूएफओ बेस माना गया, लेकिन बाद में यह खुलासा हुआ कि यह प्राकृतिक रूप से गोल

बनी वनस्पति थी, जो पानी में तैर रही थी। लॉस एंजिल्स में लगी आग के बाद गूगल मैप पर बड़े अक्षरों में हेल्प लिखा दिखा। इससे अफवाहें उड़ीं कि किसी फंसे हुए व्यक्ति ने बचाव दल का ध्यान आकर्षित करने के लिए इसे लिखा होगा। हालांकि, जांच के बाद पता चला कि यह जोस नाम के एक व्यक्ति का काम था।

गूगल मैप्स पर आर्कटिक में एक आकृति नजर आई, जो विनी द पूह से मिलती-जुलती थी। उसके पास एक विशाल घोड़ा जैसी आकृति भी दिखी, जिसने सबको हैरान कर दिया। हालांकि, यह प्रकाश और छायाओं के संयोजन का नतीजा था, जिससे यह आकृतियां नजर आईं।

रहस्य या महज संयोग? : गूगल मैप्स पर दिखने वाली ये रहस्यमयी जगहें लोगों के दिमाग में कई सवाल खड़े करती हैं। कुछ इसे एलियन की निशानी मानते हैं, तो कुछ इसे कैमरा एंगल और प्रकृति की अनोखी रचनाएं बताते हैं।

हेलीकॉप्टर और विमान टक्कर, सभी 67 मृतकों के अवशेष बरामद

वॉशिंगटन , एजेंसी। वॉशिंगटन डी.सी. में पिछले हफ्ते हुए हेलीकॉप्टर और यात्री विमान की टक्कर में मारे गए सभी 67 लोगों के अवशेष बरामद कर लिए गए हैं, अमेरिकी मीडिया ने मंगलवार को रिपोर्ट किया। , यूनिफाइड कमांड ने पुष्टि की है कि 66 मृतकों की पहचान हो चुकी है, जबकि एक अन्य की पहचान की प्रक्रिया जारी है। यूनिफाइड कमांड ने बताया कि उसकी टीमें अभी भी पोटोमैक नदी से मलबा हटाने में जुटी हैं, जिसमें विमान के बड़े हिस्से शामिल हैं। मंगलवार रात तक भारी उपकरणों की मदद से मलबा हटाने का काम जारी रहेगा। मलबे को बुधवार को तब उतारा जाएगा, जब पर्यावरणीय और ज्वारीय परिस्थितियां अनुकूल होंगी। इसके बाद ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के मलबे की बरामदगी शुरू की जाएगी।

पिछले बुधवार रात, एक यात्री विमान जिसमें 64 लोग सवार थे, वॉशिंगटन के रॉनल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान अमेरिकी सेना के एक हेलीकॉप्टर से टकरा गया। इस हेलीकॉप्टर में तीन अमेरिकी सैनिक सवार थे। टक्कर के बाद दोनों विमान बर्फीली पोटोमैक नदी में गिर गए। यह दुर्घटना 1982 के बाद वॉशिंगटन डी.सी. की सबसे भीषण विमान दुर्घटना मानी जा रही है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पता:-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।